CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-335
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 08 मार्च 2024

आज का विचार

नारी नहीं कदापि कमजोर, न बांधिए उसके हौंसले की डोर।

महाशिवरात्रि व महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

महाशिवरात्रि पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की भगवान महाकाल की पूजा-अर्चना, मुख्यमंत्री ने की प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की मंगल कामना

शिव की शरण में...मोहन

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सपत्नीक श्री महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल के दर्शन किए। उन्होंने भगवान महादेव के संसार में एकमात्र दक्षिण मुखी ज्योतिर्लिंग की पूजा अर्चना कर प्रदेश के विकास और प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की मंगल कामना की। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में पंडित संजय गुरु, आकाश गुरु, आशीष पुजारी ने विधि विधान से पूजा कराई। इस अवसर पर विधायक अनिल जैन , संजय अग्रवाल, मुकेश पांचाल, मुकेश यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें।

विक्रमोत्सव में अभिनेत्री हेमा मालिनी की अदभुत नृत्य प्रस्तुति ने मोहा सबका मन

भगवान शिव दुर्गा नाटिका की अद्भुत प्रस्तुति से महाशिवरात्रि का हुआ शुभारंभ : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कथक नृत्यांगना , सुप्रसिद्ध अभिनेत्री एवं सांसद पद्मश्री हेमा मालिनी की भगवान शिव दुर्गा नाटिका की अद्भुत प्रस्तुति से महाकाल की नगरी में महाशिवरात्रि पर्व का भव्य शुभारंभ हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ .यादव गुरुवार देर रात उज्जैन के पॉलिटेक्निक कॉलेज में विक्रमोत्सव अंतर्गत आयोजित भगवान शिव दुर्गा नाटिका की प्रस्तुति कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध नृत्यांगना हेमा मालिनी सहित साथी कलाकारों की भव्य प्रस्तुति से महाशिवरात्रि की भव्यता को और बढ़ा दिया हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभिनेत्री और नृत्यांगना हेमा मालिनी सहित की समस्त कलाकारों को पुष्पगुच्छ और सम्राट विक्रमादित्य की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा, नगर निगम अध्यक्ष श्री मुकेश टटवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहें। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना हेमा मालिनी

ने संबोधित करते हुए कहा कि महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर भगवान महाकाल की नगरी में शिव दुर्गा नाटिका की प्रस्तुति देने में बहुत प्रसन्नता का अनुभव हुआ हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को इस अवसर के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद दिया। उन्होंने सभी को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दी। पॉलीटेक्निक कालेज में आयोजित विक्रमोत्सव कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध अभिनेत्री हेमा मालिनी ने अपने अदभुत नृत्य-कला से सबका मन मोह लिया। साथी कलाकारों के संग नृत्य नाटिका में मां दुर्गा और सती के रूप में हेमा मालिनी की शानदार प्रस्तुति पर पूरा कार्यक्रम करतल ध्वनि से गूंज उठा। शिवदुर्गा नृत्य नाटिका की ऐसी प्रस्तुति की कि मानो भगवान महाकाल की नगरी में उनके स्वरूप में मां दुर्गा अवतरित हो गई हों। विक्रमोत्सव में शिरकत करने आईं हेमा मालिनी ने अपने ग्रुप के साथ शिव सती कथा , दक्ष वध,शिव तांडव, बम लहरी , शिव पार्वती विवाह, नमस्तस्ये की प्रस्तुति की। इस दौरान प्रेम,भक्ति व रौद्र रस की भावपूर्ण नृत्य मंचन ने दर्शकों का मन मोह लिया।

सिंगल कॉलम

सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 100 रुपए घटाए

दिल्ली में 803 का मिलेगा पीएम मोदी बोले- करोड़ों परिवारों का आर्थिक बोझ कम किया

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) के दाम 100 रुपए कम करने का ऐलान किया है। इस कटौती के बाद अब दिल्ली में कीमत 903 से घटकर 803 रुपए, भोपाल में 808.50 रुपए, जयपुर में 806.50 रुपए और पटना में 901 रुपए हो गई है। **करोड़ों परिवारों का आर्थिक बोझ कम होगा** प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म X पर लिखा, इससे नारी शक्ति का जीवन आसान होने के साथ ही करोड़ों परिवारों का आर्थिक बोझ भी कम होगा। यह कदम पर्यावरण संरक्षण में भी मददगार बनेगा, जिससे पूरे परिवार का स्वास्थ्य भी बेहतर रहेगा। **इससे पहले रक्षाबंधन में हुआ था कीमतों में बदलाव**- इससे पहले रक्षाबंधन के मौके पर सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) के दामों में 200 रुपए की कटौती की थी। तब दिल्ली में कीमत 1103 रुपए से घटकर 903 रुपए, भोपाल में 908, जयपुर में 906 रुपए हो गई थी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा था कि ओनम और रक्षाबंधन के त्योहार पर दाम घटाकर मोदी ने बहनों को बड़ा तोहफा दिया है। देश के 33 करोड़ कंज्यूमर्स को इसका फायदा मिलेगा। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत LPG सिलेंडर पर दी जाने वाली 300 रुपए की सब्सिडी को बीते दिन 31 मार्च 2025 तक बढ़ा दिया है। 7 मार्च को कैबिनेट मीटिंग में ये फैसला लिया गया। केंद्रीय मंत्री ने बताया था कि इस योजना का लाभ 10 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को मिलेगा। सब्सिडी वाले सिलेंडरों की संख्या में भी इजाफा किया गया है। पहले 10 सिलेंडर पर सब्सिडी मिलती थी, अब इसे बढ़ाकर 12 कर दिया गया है।

10 मार्च को आ सकती है बीजेपी की दूसरी सूची, 150 नाम और किए तय!

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव उम्मीदवारों के नाम तय करने के लिए भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक रविवार को होगी। पार्टी दूसरी सूची में कम से कम 150 उम्मीदवारों की घोषणा करने की तैयारी कर रही है। पिछले दो दिनों के दौरान राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा समेत आठ राज्यों के कोर ग्रुप के साथ चर्चा में ज्यादातर सीटों पर नाम तय कर लिए गए हैं। सीईसी बैठक से पहले महाराष्ट्र और बिहार के कोर ग्रुप की बैठक होगी। एक-एक सीट पर चर्चा के लिए पार्टी का शीर्ष नेतृत्व बुधवार से ही राज्यों के कोरग्रुप के साथ बैठक कर रहा है। अब तक राजस्थान, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, ओडिशा के कोर ग्रुप के साथ बैठक हो चुकी है। इसी क्रम में महाराष्ट्र पर भी प्रारंभिक चर्चा हुई है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इन बैठकों में 150 सीटों पर नाम लगभग तय कर लिए गए हैं। दूसरी सूची में उत्तर प्रदेश की कुछ और सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए जाएंगे। इसके अलावा उत्तराखंड और दिल्ली की बची क्रमशः दो-दो, हिमाचल प्रदेश की सभी चार, हरियाणा की आठ सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए जाएंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि रायबरेली सीट पर बाद में घोषणा की जा सकती है। सूत्रों ने बताया कि बिहार में सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर सहमति न बन पाने के कारण बृहस्पतिवार को प्रस्तावित कोर ग्रुप की बैठक टाल दी गई। असल में भाजपा यहां पर खुद कम से कम 17 सीटों पर लड़ना चाहती है, जबकि जदयू को अधिकतम 13, उपेंद्र कुशवाहा को दो, जीतन राम मांझी को एक सीट देना चाहती है। लोजपा को पार्टी पांच से अधिक सीटें नहीं देना चाहती।

सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 370 पर भी की बड़ी टिप्पणी, कहा-

पाकिस्तान को आजादी की बधाई देने में कुछ गलत नहीं

नई दिल्ली । अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने की आलोचना करना और पाकिस्तान को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देना अपराध नहीं माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ऐतिहासिक निर्णय दिया और WhatsApp स्टेटस के चलते घिरे एक कॉलेज प्रोफेसर को राहत दे दी। अदालत का कहना है कि किसी को भी कानून के दायरे में रहकर आलोचना करने का अधिकार है। जस्टिस अभय ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच का कहना है कि हर नागरिक को संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत बात कहने का अधिकार है। कोई भी नागरिक किसी अन्य देश के नागरिक को उनके स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दे सकता है। इसे अपराध नहीं माना जाएगा। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, कोर्ट ने कहा, 'अगर भारत का एक नागरिक पाकिस्तान के नागरिकों को 14 अगस्त को उनके स्वतंत्रता दिवस पर बधाई देता है, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। यह सद्भावना का प्रतीक है। अपीलकर्ता के उद्देश्यों पर सिर्फ इसलिए सवाल नहीं उठाए जा सकते कि क्योंकि वह एक विशेष धर्म से है।'

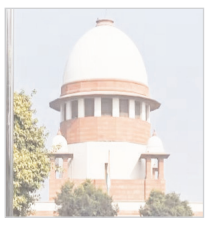

क्या था मामला याचिकाकर्ता जावेद हजाम महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के संजय घोडावत कॉलेज में प्रोफेसर है। इससे पहले वह कश्मीर के बारामूल का निवासी था और रोजगार के लिए महाराष्ट्र आया था। खबर है कि उन्होंने स्टेटस लगाए जिनमें कहा गया, '5 अगस्त- जम्मू-कश्मीर ब्लैक डे, 14 अगस्त- पाकिस्तान को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं, अनुच्छेद 370 खत्म किया गया इससे हम खुश नहीं हैं।'

सीबीआई ने किया भंडाफोड़

भारतीयों को नौकरी की आड़ में रूस-यूक्रेन युद्ध में भेज रहा था गिरोह

नई दिल्ली । केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़े मानव तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह विदेश में नौकरी दिलाने की आड़ में भारतीयों को रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में ले जाता था। जांच एजेंसी ने 13 स्थानों पर कार्रवाई कर 50 लाख नकद और कई डिजिटल उपकरण जब्त किए। एजेंसी ने कुछ संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में भी लिया है। सीबीआई के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि दिल्ली, तिरुवनंतपुरम, मुंबई, अंबाला, चंडीगढ़, मदुरै एवं चेन्नई में तलाशी अभियान चलाया गया। नकद धनराशि के अलावा कई अहम दस्तावेज, लैपटॉप, मोबाइल, डेस्कटॉप, सीसीटीवी फुटेज भी जब्त किए गए हैं। सीबीआई ने निजी वीजा कंसल्टेंसी फर्मों एवं एजेंटों समेत कई अन्य के खिलाफ बुधवार को मानव तस्करी का मामला दर्ज किया था। **35 लोगों को भेजा रूस-यूक्रेन**- अधिकारी ने बताया है कि अभी तक जांच में सामने आया है कि इन लोगों ने नौकरी का झांसा देकर अभी तक 35 लोगों को रूस और यूक्रेन भेजा चुका है। सीबीआई ने इस रैकेट के काम करने के तरीके के बारे में खुलासा करते हुए कहा कि ये लोग विदेश में आकर्षक नौकरी दिलाने का वादा करते थे। ये तस्कर एक संगठित नेटवर्क के रूप में काम कर रहे हैं और यूट्यूब आदि जैसे सोशल मीडिया चैनलों और अपने स्थानीय संपर्कों/एजेंटों के माध्यम से भारतीय नागरिकों को रूस में उच्च वेतन वाली नौकरियों के लिए झांसा दे रहे थे।

प्रति व्यक्ति 3.5 लाख रुपये वसूले- एजेंटों ने युवाओं से रूस में मोटी तनख्वाह के नाम पर प्रति व्यक्ति 3.5 लाख रुपये वसूले। बाद में यूक्रेन युद्ध में लड़ने के लिए भेज दिया गया था। सीबीआई की यह कार्रवाई रूस-यूक्रेन युद्ध में हैदराबाद के मो. अफसान के मारे जाने के बाद की गई।

वायनाड से फिर राहुल तो रायबरेली से प्रियंका गांधी लड़ेंगी चुनाव!

आज आ सकती है कांग्रेस की पहली लिस्ट

अमेठी से भी लड़ सकते हैं राहुल, प्रियंका रायबरेली से हो सकती हैं उम्मीदवार
केंद्रीय चुनाव समिति ने 60 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर किया मंथन

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस शुक्रवार को अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर सकती है। इससे पहले गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हुई, जिसमें पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने 60 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर मंथन किया गया।पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में राहुल गांधी समेत 40 उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दे दिया गया। हालांकि, पार्टी ने अभी तक उम्मीदवारों के नामों की घोषणा नहीं की है। सूत्रों के अनुसार राहुल

गांधी को केरल की वायनाड सीट के साथ ही अमेठी से भी मैदान में उतारा जा सकता है। मालूम हो कि राहुल गांधी अमेठी से सांसद रह चुके हैं। 2019 में वह इस सीट से हार गए थे, लेकिन उन्हें वायनाड में जीत मिली थी। प्रियंका गांधी वाड्रा रायबरेली से मैदान में उतारा जा सकता है। मालूम हो कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में गुरुवार को केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने 60 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर मंथन किया। बैठक में पार्टी की पूर्व अध्यक्ष प्रमुख सोनिया गांधी और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) के सदस्य शामिल हुए।

केदारनाथ धाम के कपाट खुलने का हुआ एलान, 10 मई को सुबह 7 बजे से कर सकेंगे दर्शन

देहरादून। ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट 10 मई को सुबह 7 बजे खुलेंगे। यह जानकारी श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने दी है।मंदिर समिति ने बताया कि पंचमुखी डोली 6 मई को श्री केदारनाथ धाम के लिए प्रस्थान करेगी और विभिन्न पड़ावों से होते हुए 9 मई की शाम को केदारनाथ धाम पहुंचेगी। कपाट खुलने की तिथि आज पचकदार गद्दी स्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ में श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय की मौजूदगी में आयोजित एक धार्मिक समारोह में तय की गई है। उत्तराखंड के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है केदारनाथ धाम। हिमालय की चोटी और बर्फ से ढकी पहाड़ियों के बीच भगवान शिव के इस मंदिर के दर्शन के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु आते हैं। केदारनाथ मंदिर भारत के उत्तराखण्ड राज्य के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित है। उत्तराखंड में हिमालय पर्वत की गोद में स्थित केदारनाथ मंदिर बारह ज्योतिर्लिंग में से एक है।

सिंगल कॉलम

एमओजी लाइंस में सजेगा फूल बंगला, धार रोड पर होगा मानस सम्मेलन

इंदौर। शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रम 8 मार्च को होंगे। महाशिवरात्रि के अवसर पर शहरभर के शिवालय में विशेष आयोजन होंगे। इसके अतिरिक्त पंचकल्याणक महोत्सव में भगवान का जन्माभिषेक मनाया जाएगा। रामकथा और शिव महापुराण कथा के साथ अलग-अलग स्थानों पर विभिन्न आयोजन होंगे। - कपलेश्वर महादेव मंदिर समिति द्वारा कपलेश्वर महादेव मंदिर, काटजू कालोनी में सुबह 5 बजे रुद्राभिषेक और महाआरती की जाएगी। इस मौके पर 500 किलो साबूदाने की खिचड़ी का वितरण किया जाएगा।- कपलेश्वर महादेव मंदिर समिति द्वारा कपलेश्वर महादेव मंदिर, काटजू कालोनी में सुबह 5 बजे रुद्राभिषेक और महाआरती की जाएगी। इस मौके पर 500 किलो साबूदाने की खिचड़ी का वितरण किया जाएगा। - शिव श्याम धाम परिसर, श्रीराम नगर में सुबह 10 बजे अखंड रामायण पाठ किया जाएगा। दोपहर में शिव अभिषेक, पूजन के बाद आरती और प्रसाद वितरण किया जाएगा। - पंचकल्याणक महामहोत्सव 6 से 11 मार्च तक गांधी नगर में श्रमणाचार्य विशुद्धसागर महाराज के सान्निध्य में हो रहा है। इसमें सुबह 10.30 बजे भगवान का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। प्रतिष्ठाचार्य प्रदीपकुमार जैन मधुर (मुंबई), सह-प्रतिष्ठाचार्य चंद्रकांत गुंडप्पा इंडी (कर्नाटक) एवं पं. नितिनजी झांझरी (इंदौर) हैं। - एमओजी लाइंस स्थित सदगुरु लादूनाथ महाराज आश्रम के नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर पर सुबह 10 बजे से दुग्धाभिषेक के बाद दोपहर 12 बजे भक्तों में ठंडाई प्रसाद का वितरण किया जाएगा। इस मौके पर फूलों, पत्तियों एवं रंगारंग विद्युत सज्जा से आकर्षक पुष्प बंगला श्रृंगारित किया जाएगा। - गोपेश्वर महादेव मंदिर गांधी हाल में महाशिवरात्रि पर सूखे मेवे से श्रृंगार किया जाएगा। महादेव अर्धनारीश्वर स्वरूप में दर्शन देंगे। दोपहर 1 बजे रुद्राभिषेक और रात 8 बजे महाआरती होगी। - साकेतवासी घनश्यामदास महाराज के 15वें पुण्य स्मरण के अवसर पर धार रोड़ स्थित धरावरा धाम पर नौ दिनी मानस सम्मेलन एवं श्रीराम कथा आयोजित की जा रही है। कथा दोपहर 2 बजे पीठाधीश्वर 1008 शुकदेवदास महाराज के पावन सान्निध्य में होगी। वड़ोदरा गुजरात के रामस्नेही सम्प्रदाय के संत श्रीरामप्रसाद महाराज कथा का रसपान कराएंगे। - महाकाल सेवा संघ द्वारा शिव महापुराण कथा का आयोजन दशहरा मैदान पर होगा।

एटीएस और एसटीएफ करेगी इंदौर के पूर्व पार्षद अनवर डकैत के लाइसेंस की जांच

इंदौर। धमकी और मारपीट के आरोपित पूर्व पार्षद अनवर कादरी उर्फ अनवर डकैत के आर्म्स लाइसेंस का नवीनीकरण निरस्त हो गया है। पुलिस अब जम्मू-कश्मीर के रामबन में 20 साल पुरानी नस्ती ढूंढ रही है। एटीएस और एसटीएफ को भी जांच के लिए पत्र लिखा गया है।बड़वाली चौकी निवासी अनवर पर जावेद नामक युवक को धमकाने और मारपीट करने का आरोप है। अनवर को प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के तहत जेल भेज दिया था। अनवर ने जावेद को बंदूक दिखाकर धमकाया। जिस बंदूक से धमकाया, उसका लाइसेंस जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले से बना है, जबकि नवीनीकरण पूंछ जिले से हुआ है। डीसीपी जोन-1 आदित्य मिश्रा के मुताबिक, अनवर पर 17 से अधिक केस दर्ज हैं। इसके बाद भी उसने लाइसेंस बनवा लिया था। पुलिस जांच के लिए रामबन भेजी गई है। जिला कलेक्टर को भी पत्र लिखा गया है। पुलिस वर्ष 2003 में बने लाइसेंस की मूल नस्ती ढूंढ रही है। जम्मू-कश्मीर से बने लाइसेंस पर संदेह उधर पुलिस के पत्र के आधार पर पूंछ कलेक्टर ने अनवर के लाइसेंस का नवीनीकरण निरस्त कर दिया। डीसीपी के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर से बने लाइसेंस पर संदेह है। पुलिस ने जांच के लिए आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को भी पत्र लिखा है। बदमाश कट्टे सहित गिरफ्तार क्राइम ब्रांच ने एक बदमाश को कट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित बड़ी घटना करने की फिराक में था। डीसीपी निमिष अग्रवाल के मुताबिक, आरोपित मोहम्मद फरहान निवासी जूना पीठा है। आरोपित के खिलाफ सदर बाजार थाना में केस दर्ज किया है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव का इंतजार कराने को प्रशासन ने बंद किए इंदौर के नेहरू स्टेडियम के गेट

नेहरू स्टेडियम में गुरुवार शाम महिलाएं बेचैन थीं। घर जाने की जल्दी थी। वे एक नंबर गेट पर पहुंचीं तो गेट बंद था। पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को दो नंबर गेट पर भेजा, वहां से गेट नंबर तीन की ओर भेजा गया। यह सिलसिला चलता रहा जब तक स्टेडियम के गेट खत्म नहीं हो गए। स्टेडियम में सभी गेट बंद होने से महिलाओं ने अपने आप को बंधक महसूस किया और आपा खो दिया। मर्जी से आने के बाद यहां महिलाशक्ति लाचार महसूस कर रही थी। पुलिस और प्रशासन से खूब बहस हुई।नेहरू स्टेडियम में इंदौर प्रशासन ने %वन भारत साड़ी वाकाथान कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में आने वाले थे। योजना के अनुसार महिलाएं स्टेडियम के चारों तरफ साड़ी में वाक करने वाली थीं। इसके लिए प्रशासन ने 25 हजार महिलाओं को लाने का लक्ष्य रखा था। योजना के अनुसार दोपहर दो बजे से महिलाएं स्टेडियम में आने लगीं।

जुलाई तक मिल सकती है सेंटर आफ एक्सीलेंस की सौगात

सिटी चीफ इन्दौर।

बाणगंगा मानसिक अस्पताल को सेंटर आफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसका काम अब अंतिम चरणों में है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जुलाई तक काम पूरा हो सकता है। मप्र में इस तरह का कोई अस्पताल नहीं है। देश के कुछ गिने-चुने शहरों में ही इस तरह के सेंटर हैं। इस सेंटर में लोगों को नशे से दूर करने के लिए भी आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। इससे शहर के साथ ही प्रदेशभर के लोगों को लाभ होगा। इसे सुपर स्पेशिएलिटी मानसिक अस्पताल की तरह बनाया जा रहा है।बता दें कि सेंटर आफ एक्सीलेंस 33.1 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा है। अधिकारियों ने बताया कि सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित होने से इसकी गिनती राष्ट्रीय स्तर पर होगी। नई बिल्डिंग में 60 मरीजों के हिसाब से बिस्तर लगेंगे। इसमें नशे से छुटकारा पाने के साथ ही बच्चों और बुजुर्गों में मनोरोग संबंधी समस्याएं दूर करने के लिए अलग-अलग सेंटर स्थापित किए जाएंगे। मानसिक स्वास्थ्य केंद्र बाणगंगा में आने वाले समय में रोगियों की जांच भी नई तकनीक और आधुनिक मशीनों से हो सकेगी। अगले चरण में इसे पूरे मध्य प्रदेश से आने वाले

मरीजों के लिए रेफरल सेंटर भी बनाया जाएगा। बता दें कि इसमें इलाज का लाभ प्रदेश ही नहीं, आसपास के राज्य के लोगों को भी मिल सकेगा। मानसिक रोगियों की संख्या में हर साल बढ़ोतरी हो रही है। मानसिक चिकित्सालय में हर वर्ष एक लाख से अधिक मरीज उपचार के लिए आते हैं। इसके असाला टेलीमानस हेल्पलाइन के माध्यम से भी विशेषज्ञों द्वारा काउंसलिंग की जाती है। अभी नशा छुड़वाने की दवाई के लिए जाना पड़ता है दिल्ली और मुंबई सेंटर फार एक्सीलेंस बनने से मानसिक रोगियों सहित नशा से ग्रस्त मरीजों का इलाज भी पूरी तरह संभव हो सकेगा। अन्य नशा करने वालों के साथ ही ब्राउन शुगर का नशा करने वाले मरीजों के इलाज व दवाई की व्यवस्था भी होगी। अभी ब्राउन शुगर का नशा करने वालों को दिल्ली, मुंबई इलाज व दवाई के लिए जाना पड़ता है। साथ ही यहां रिसर्च सेंटर भी स्थापित होगा, जिससे नए रिसर्च को भी बढ़ावा मिलेगा। बता दें कि वर्ष 2016-17 में नेशनल सेंटर हेल्थ प्रोग्राम के तहत इस प्रोजेक्ट को स्वीकृति मिली थी।

शिवजी को पालकी में विराजित कर निकाली गई बारात

सिटी चीफ इन्दौर।

विमानतल मार्ग स्थित श्रीविद्याधाम पर महाशिवरात्रि के पावन प्रसंग पर चल रहे है। श्री शिव-गिरिजा कल्याणोत्सव में आश्रम परिसर में बैंड-बाजों, ढोल-नगाड़ों सहित बरात निकाली गई। दूल्हा बने शिवजी को सुसज्जित पालकी में विराजित कर आश्रम के सैकड़ों भूदेवों ने कांधे पर लेकर मंदिर परिसर कि परिक्रमा की। इस दौरान भक्तों में भगवान की पालकी को उठाने की होड़ मची रही।बारात में शिवजी के परंपरागत गण, भूत, प्रेत, पिशाच, चुड़ैल और ओघड़दानी भी शामिल हुए। इसके पूर्व मंदिर में शिव और गिरिजा को 56 भोग भी समर्पित किए गए। शुक्रवार को आश्रम पर मुख्य उत्सव भी धूमधाम से मनाया जाएगा। शिवरात्रि पर चारों प्रहर पूजा भी होगी। भूदेवों के शंखनाद और वैदिक मंत्रों की मंगल ध्वनि के बीच इस उत्सव में गुरुवार को सैकड़ों भक्तों ने भगवान को उबटन एवं लेपन भी लगाए। शुक्रवार को भगवान शिव और मां पार्वती के विवाह की सभी रस्में निर्वाह की जाएंगी। आश्रम परिवार के यदुनंदन माहेश्वरी, पं. दिनेश शर्मा एवं राजेन्द्र महाजन ने बताया कि गुरुवार को सैकड़ों भक्तों ने पहले भगवान शिव का श्रृंगार किया, फिर उन्हें सुसज्जित पालकी में बैठाकर आश्रम परिसर की परिक्रमा पूरी की। इस दौरान भक्तों में भोले की पालकी उठाने के लिए स्पर्धा मची रही। आश्रम के भूदेवों ने मंगलाचरण एवं वैदिक मंत्रोच्चार का सिलसिला बनाए रखा। इस दौरान मंदिर पर शिव-पार्वती को छप्पन भोग भी समर्पित किए गए। अब शुक्रवार को शिव ङ्कगिरिजा कल्याणोत्सव में लग्नवेदी में शिव और पार्वती सात फेरे भी लेंगे और विवाह की अन्य सभी रस्में भी निभाएंगे। रात्रि में चारों प्रहर पूजा भी होगी।

कृषि में महिलाओं को अब भी नहीं मिला अधिकार किसान की बजाय माना जा रहा श्रमिक

सिटी चीफ इन्दौर।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व फेडरेशन आफ सीड इंडस्ट्री आफ इंडिया (एफएसआइआइ) और फोरम फार इंडियन जर्नलिस्ट्स आन एजुकेशन, एनवायर्नमेंट, हेल्थ एंड एग्रीकल्चर (फिजीहा) द्वारा आयोजित विशेष कार्यशाला 'ट्रांसफार्मिंग एग्रीकल्चर- वीमेन, टेक्नोलाजी एंड सस्टेनेबल ग्रोथ' में वक्ताओं ने महिलाओं किसानों को प्रौद्योगिकी से समृद्ध करने पर बात की। चर्चा में मालवा-निमाड़ क्षेत्र की महिला किसानों ने खेती से जुड़े अपने अनुभव साझा किए।विशेषज्ञों ने कहा कि इनपुट, बाजार, प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण और ऋण तक सीमित पहुंच के साथ-साथ भूमि पर मालिकाना हक और कम आय जैसी चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, भारतीय कृषि में महिलाओं का उल्लेखनीय योगदान है। महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने वाली नीतियों की वकालत, प्रौद्योगिकी जैसे आवश्यक संसाधनों तक पहुंच में सुधार और महिलाओं के अमूल्य योगदान को स्वीकार करके ही एक अधिक समावेशी एवं स्थायी कृषि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया जा सकता है। कृषि में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, एफएसआइआइ की निदेशक और कोर्टेवा एग्रीसाइंस की सरकारी एवं उद्योग मामलों की निदेशक (एशिया प्रशांत) अनुजा कादियान ने कहा, कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण भागीदारी के बावजूद, ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं

को किसान के रूप में पहचाने जाने की बजाय मुख्य रूप से मजदूर के रूप में देखा जाता है। कृषि क्षेत्र में कार्यरत पुरुषों की तुलना में महिलाओं की आमदनी में भी बड़ा अंतर है। दुर्भाग्य से जलवायु परिवर्तन की वजह से यह अंतर और बढ़ रहा है। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) इंदौर की परियोजना निदेशक शार्ली थामस ने कहा कि एटीएमए लगातार महिला किसानों को कृषि कार्य में नई प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए सक्षम बनाने की दिशा में काम कर रही है, ताकि उनके लिए खेती आसान और लाभकारी बने। कार्यशाला के दौरान उन महिला किसानों को सम्मानित भी किया गया जो खेतीबाड़ी में प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रही हैं। ये अपने आस-पड़ोस की महिलाओं को भी इसे अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं, ताकि उनकी आमदनी दोगुनी हो जाए।

इंदौर की 34 कालोनियां तीसरे चरण में होंगी वैध, नगर निगम ने दावे-आपत्तियां बुलाईं

सिटी चीफ इन्दौर।

दो अलग-अलग चरण में 100 से ज्यादा कालोनियों को वैध घोषित करने के बाद अब नगर निगम तीसरे चरण में 34 कालोनियों को वैध करने जा रहा है। इसके लिए नगर निगम ने दावे-आपत्तियां बुलवाई हैं। गौरतलब है कि शासन के निर्देश के बाद नगर निगम ने बड़े पैमाने पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बसी अवैध कालोनियों का सर्वे किया था।इस दौरान अवैध कालोनियों को लेकर तमाम जानकारियां एकत्रित की गईं। इसके बाद 34 अवैध कालोनियों को वैध करने के लिए चिह्नित किया गया है। निगम अधिकारियों के मुताबिक कालोनियों को वैध करने के लिए ले-आउट प्लान से लेकर कई तैयारी की जा रही हैं। कुछ माह में यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इस सूची में कई कालोनियां 29 गांवों के अंतर्गत शहरी सीमा में शामिल हुए क्षेत्रों की भी हैं। इन कालोनियों को वैध करने की है तैयारी ग्राम छोटा बांगडदा की कालोनी साकेत धाम, ग्राम लिंबोदी की श्रीकृष्ण विहार, ग्राम हुकमाखेड़ी की अवैध कालोनी दुर्गानगर और न्यू दुर्गा नगर, पालदा की पुष्पदीप नगर, सिरपुर की द्वारकापुरी, मूसाखेड़ी का अमन नगर और इदरीस नगर, साहिन नगर एक्सटेंशन, ग्राम छोटी खजरानी के अंसार नगर, ग्राम बिचौलीहप्सी की कल्पतरू कालोनी, लिंबोदी की गुरुकुल फार्म कालोनी, निपानिया की लैंडलार्ड स्टेट कालोनी, बिचौली की प्रणाम इस्टेट कालोनी, रायल सिटी कालोनी, सोहम पार्क कालोनी, प्रगति एवेन्यू कालोनी, लसूडिया मोरी की प्रिंसेस इस्टेट कालोनी, पुष्प वाटिका कालोनी, मूसाखेड़ी की अक्षरधाम कालोनी आदि शामिल हैं।

राजनीति में आधी आबादी का प्रतिनिधित्व अब भी काफी नहीं

सिटी चीफ इन्दौर।

मालवा-निमाड़ में राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का अच्छा-खासा दबदबा है। बावजूद इसके राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व पुरुषों के मुकाबले काफी कम है। क्षेत्र में कई महिलाएं जनप्रतिनिधित्व कर रही हैं और लगातार आगे भी आ रही हैं। हालांकि अब भी कई जगह महिलाओं की पुरुषों पर निर्भरता कम नहीं हो रही है। आज भी महिला जनप्रतिनिधि होने के बावजूद सारे निर्णय उनके पति या परिवार के पुरुष लेते हैं, ऐसे में उनका प्रतिनिधित्व गौण हो जाता है। ऐसी स्थिति में महिलाओं को सक्षम होकर स्वयं आगे आकर प्रतिनिधित्व करने को लेकर सज्ज होना होगा।उज्जैन जिला पंचायत जिला पंचायत की अध्यक्ष कमला कुंवर देवड़ा और उपाध्यक्ष शिवानी कुंवर सोलंकी है। नगर निगम अध्यक्ष छह बार की निर्वाचित पार्षद कलावती यादव हैं। हालांकि जिले में फिलहाल कोई महिला विधायक नहीं है। प्रदेश का सर्वाधिक महिला जनप्रतिनिधियों वाला जिला है बुरहानपुर महाराष्ट्र की सीमा पर बसा मध्य प्रदेश का छोटा सा जिला बुरहानपुर जहां देश में सबसे पहले हर घर नल से जल पहुंचाने वाला जिला बना और केला निर्यात में अन्य जिलों को पीछे छोड़ दिया, वहीं महिला सशक्तीकरण का भी बेहतर उदाहरण बन कर उभरा है। यह प्रदेश का सर्वाधिक महिला जनप्रतिनिधियों और अफसरों वाला जिला है। जिले की दोनों विधानसभा सीटों पर महिला विधायक अर्चना चिटनिस और मंजू दादू प्रतिनिधित्व कर रही हैं। नगर निगम में महापौर भी माधुरी पटेल हैं। नगर निगम अध्यक्ष अनीता यादव हैं। जिले की दोनों जनपदों में महिला अध्यक्ष सोनाली पाटिल व पूजा दादू (अब दिवंगत) चुनी गई थीं। जिले की दो नगर परिषद शाहपुर व नेपानगर में भी अध्यक्ष के रूप में साधना तिवारी और भारती पाटिल प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इसके अलावा वर्तमान में कलेक्टर भव्या मित्तल, सीइओ जिला पंचायत सृष्टि देशमुख, एसडीएम पल्लवी पुराणिक सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर महिला अधिकारी पदस्थ हैं। आम महिलाएं भी हुईं सशक्त राजनीतिक जीवन जीने वाली नेत्रियों के साथ ही जिले की आम महिलाएं भी बीते दो साल में आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं। सरकार और प्रशासन के प्रयास से महिलाओं को समूह से जोड़ कर उन्हें नल-जल योजना के शुल्क वसूली का काम सौंपा गया। अब केले के रेशे से बनने वाले उत्पादों का प्रशिक्षण दिलाकर उन्हें बाजार उपलब्ध कराया गया है, जिससे सैकड़ों महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। धार जिले में धार विधानसभा से महिला विधायक नीना वर्मा है। वे तीसरी बार विधायक बनी हैं। देवास में तीन महिला जनप्रतिनिधि हैं। महिला विधायक गायत्रीराजे पवार हैं। महापौर गीता अग्रवाल हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष लीला अटारिया हैं। विधायक पवार 2015 से लगातार क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। गीता अग्रवाल पहली बार महापौर बनी हैं। उनके पहले रेखा वर्मा महापौर रह चुकीं हैं। लीला अटारिया पहली बार जिला पंचायत अध्यक्ष बनी हैं। राजनीति के क्षेत्र में झाबुआ जिले की महिलाओं का दबदबा बना हुआ है। अधिकतर नगर इकाइयों में महिलाएं ही प्रतिनिधित्व कर रही हैं। रानापुर नगर परिषद में अध्यक्ष दीपा नरवाया हैं। जनपद पंचायत में अध्यक्ष निर्मला भूरिया हैं। झाबुआ नगर पालिका में कविता सिंघार व जनपद में अध्यक्ष कमोदी भूरिया बनी हुई हैं। थांदला नगर परिषद लक्ष्मी पण्ता, पेटलावद नगर परिषद ललिता गामड़ व मेघनगर जनपद में अध्यक्ष पद पर ललिता मोनिया काबिज हैं। जिला पंचायत झाबुआ में अध्यक्ष सोनम भाभर बनी हुई हैं। दिवंगत कलावती भूरिया जोबट से लंबे समय तक विधायक रहीं। रतलाम जिले में जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर महिला प्रतिनिधि है और नगर निगम में निगम अध्यक्ष भी महिला हैं। खरगोन जिले के भीकनगांव में झूमा सोलंकी लगातार तीन विधानसभा चुनाव जीतकर विधायक बनी हैं। इसके अलावा जिला पंचायत की अध्यक्ष अनुबाई तंवर हैं। खरगोन नगर पालिका अध्यक्ष छाया जोशी हैं।

महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने में अव्वल रहा 'लोकमाता अहिल्या का इंदौर'

सिटी चीफ इन्दौर।

महिलाओं को राजनीति के क्षेत्र में प्रतिनिधित्व देने में इंदौर शहर हमेशा अव्वल रहा है। होलकर काल में लोकमाता अहिल्या बाई ने शहर का नेतृत्व किया। आज भी उनके बसाए शहर में कई महिला नेत्रियों ने इंदौर की राजनीति की बागडोर थाम नेतृत्व का लोहा देशभर में मनवाया है। यही वजह है कि इस बार भी लोकसभा चुनाव के टिकट के दावेदारों में इंदौर से महिला प्रत्याशी को टिकट मिलने के कयास लगाए जा रहे हैं।आठ बार जीत हासिल कर लोकसभा में किया इंदौर का नेतृत्व सुमित्रा महाजन ने 1989 के आम चुनाव में पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ा था और उन्होंने कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश चंद्र सेठी को हराया था। इससे पहले इंदौर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से वे लगातार तीन विधानसभा चुनाव हार चुकी थीं। महाजन 2002 से 2004 तक केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल थीं। मानव संसाधन, संचार और पेट्रोलियम मंत्रालय विभाग की जिम्मेदारी संभाली। वे आठ बार लोकसभा चुनाव जीतने वाली प्रथम

महिला सांसद रहीं। उन्हें लोकसभा स्पीकर की जिम्मेदारी भी मिली।

चार बार विधायक व महापौर की जिम्मेदारी भी संभाली

इंदौर में विधानसभा-4 में मालिनी गौड़ चार बार से विधायक हैं। वर्ष 2008 में पहली बार विधायक बनीं। इसके बाद वर्ष 2013, 2018 व वर्ष 2024 में जीत का सिलसिला बरकरार रखा। वर्ष 2014 में वे महापौर बनीं। इसके कार्यकाल में इंदौर स्वच्छ सर्वेक्षण में लगातार नंबर-1 आता रहा है। शहर को स्वच्छ बनाने में इनकी राजनीतिज्ञ सूझबूझ व दृष्टिकोण प्रभावी रहा।

चार बार विधायक व मंत्री की जिम्मेदारी भी संभाली

उषा ठाकुर पहली बार वर्ष 2003 में विधानसभा क्षेत्र-1 से विधायक बनीं। इसके बाद वे 2013 में विधानसभा क्षेत्र-3 से चुनी गईं। वर्ष 2018 व 2024 में महू से विधायक रहीं। दो जुलाई 2020 को उन्हें प्रदेश के मंत्रिमंडल में जगह मिली थी और उन्होंने पर्यटन व संस्कृति मंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाई।

राज्यसभा के सदस्य में इंदौर का नेतृत्व

कविता पाटीदार भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष रहीं। वे जिला पंचायत के अध्यक्ष की भूमिका में इंदौर रही। वर्ष 2022 में इंदौर से वे राज्यसभा सदस्य के रूप में पहुंचीं। शहर की पहली महिला महापौर डा. उमाशशि शर्मा दो बार पार्षद रही और वर्ष 2004 में वे महापौर चुनी गईं। वे शहर की पहली महिला महापौर बनीं। राष्ट्रीय स्तर पर महिला कांग्रेस की जिम्मेदारी मिली उन्होंने वर्ष 2003, 2005 व 2008 में अलग-अलग चुनाव लड़े। वर्ष 2013 में शोभा ओझा महिला राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष रहीं। प्रदेश स्तर पर पार्टी ने दी जिम्मेदारी अर्चना जायसवाल ने वर्ष 2015 में महापौर का चुना लड़ा था। वर्ष 2021 में उन्हें मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया।

हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक बने डा. सुनीत टंडन, सोमवार को ग्रहण करेंगे पदभार

सिटी चीफ भोपाल।

हमीदिया अस्पताल में नए अधीक्षक की नियुक्ति हो गई है। गांधी मेडिकल कालेज के अस्थि रोग विभागाध्यक्ष डा. सुनीत टंडन को अधीक्षक बनाया गया है। इसके आदेश गुरुवार को चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जारी कर दिए। डा. सुनीत टंडन सोमवार को अधीक्षक का चार्ज लेंगे।बता दें कि पूर्व अधीक्षक डा. अशीष गोहिया ने व्यक्तिगत कारणों के चलते करीब एक माह पहले इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से आधीक्षक का पद रिक्त था। इसके चलते अस्पताल संबंधी कामकाज की कई महत्वपूर्ण फाइले लंबित हैं। मार्च के लिए आए बजट से होने वाली खरीदी प्रक्रिया भी प्रभावित हो रही है। कर्मचारियों की पेंशन, वेतन और ग्रेच्युटी के काम अटक गए हैं। मरीजों के भोजन से जुड़े बिल सहित अन्य काम लंबित

पड़े हुए हैं। कब-कब क्यों हटे अधीक्षक डा. डीके पाल = दिसंबर 2016 में परिसर में पड़े एक लावारिश के शव की आंख को चूहों ने नोच लिया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही मानते हुए डा. पाल को पद से हटा दिया। डा. दीपक मरावी = दिसंबर 2016 में ही डा.मरावी अधीक्षक बने। सख्त रवैये के चलते उन्हें हटाने के लिए आंदोलन हुए। आखिरकार अप्रैल 2018 में उन्हें हटा दिया गया। डा. एके श्रीवास्तव = अप्रैल 2018 से जुलाई 2020 तक अधीक्षक रहे। कोरोना संक्रमण में से निपटने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं होने की वजह से उन्हें हटा दिया गया था। डा. आइडी चौरसिया = वह जुलाई 2020 से अप्रैल 2021 तक अधीक्षक रहे। रेमडेसिविर इंजेक्शन चोरी होने पर उन्हें हटा दिया गया था। डा. लोकेन्द्र दवे = वह अप्रैल से नवंबर 2021 तक अस्पताल अधीक्षक रहे। शिशु रोग वार्ड में आग लगने की घटना के बाद उन्हें हटा दिया गया था। डा. दीपक मरावी = दूसरी बार नवंबर 2021 से 27 जून 2022 तक पदस्थ रहे। 50 से ज्यादा नर्सों द्वारा छेड़छाछ का आरोप लगाए जाने के बाद उन्हें पद से हटना पड़ा। डा. आशीष गोहिया = 27 जून 2022 को हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक बनाए गए थे।

महिला दिवस पर आज भोपाल की सिटी बसों में मुफ्त सफर करेंगी महिलाएं

सिटी चीफ भोपाल।

आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर बीसीएलएल ने नारीशक्ति का सम्मान करते हुए उन्हें आज नगरसेवा बसों में मुफ्त सफर की सौगात दी है। शहर के अंदर कहीं भी आने-जाने पर बीसीएलएल की किसी भी बस में उनसे किराया नहीं वसूला जाएगा। इसकी फैसला आइएसबीटी स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित गुरुवार को बीसीएलएल की बोर्ड बैठक में लिया गया है। इसका प्रस्ताव बैठक में महापौर मालती राय ने रखा था, जिसे अन्य सदस्यों ने भी सहमति दे दी। बता दें कि अभी शहर के करीब 18 मार्गों पर 280 बसों का संचालन किया जा रहा है। दरअसल गुरूवार को नगर निगम की होल्डिंग कंपनी बीसीएलएल (भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड) की बोर्ड आफ डायरेक्टर्स की बैठक बुलाई गई थी। इसमें बीसीएलएल के पूरे प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा हुई। बोर्ड आफ डायरेक्टर्स की बैठक में महापौर मालती राय ने अंतरराष्ट्रीय महिला

दिवस के अवसर पर शुक्रवार बीसीएलएल की सभी बसों में महिलाओं के लिए निश्शुल्क यात्रा की सुविधा देने का सुझाव रखा। जिस पर डायरेक्टर्स ने चर्चा कर इसकी मंजूरी दी। इस संबंध में बीसीएलएल अधिकारियों ने सभी बस आपरेटरों को भी इसकी सूचना भेज दी है। ई-बाइक के लिए चार्जिंग स्टेशन बनेंगे महापौर मालती राय की अध्यक्षता में बुलाई गई बैठक में प्रभारी निगम आयुक्त शिवम वर्मा भी मौजूद रहे। बोर्ड बैठक में महापौर ने कहा कि ई-बाइक्स की चार्जिंग के लिए शहर के प्रमुख स्थलो पर चार्जिंग स्टेशन बनाएं। जिससे कि शहर में हरित परिवहन को बढ़ावा मिले और पर्यावरण सुरक्षित भी रहे। इसके लिए महापौर ने सेंट्रल गवर्मेंट की पीएम ई-बस योजना के तहत इलेक्ट्रिक बसें खरीदने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू करने को कहा। इस बैठक के महापौर, अपर आयुक्त पवन सिंह और बीसीएलएल की सीईओ निधि सिंह, एसडीएम भूपेंद्र गोयल, एमआइसी सदस्य मनोज राठौर समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा- पुरुष अपनी सोच बदलेंगे तभी उन्हें सम्मान दे पाएंगे

सिटी चीफ भोपाल।

महिला सशक्तीकरण के कई आयाम हो सकते हैं। उनके जीवन स्तर में सुधार भी सशक्तीकरण है। आदिवासी क्षेत्र की महिलाओं के कभी कल्पना भी नहीं की थी कि वे गैस चूल्हे पर खाना पकाएंगी। यह केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच का ही परिणाम है कि उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने के बारे में सोचा ही नहीं,

उसे करके भी दिखाया। उज्ज्वला योजना की लाभार्थी ग्रामीण महिलाएं जब गैस चूल्हे पर खाना बनाती हैं तो उनके चेहरे पर अलग मुस्कुराहट नजर आती है। प्रधानमंत्री की इसी सोच का नतीजा है कि महिलाएं आज अपनी चौखट से बाहर निकली हैं। बिना बैसाखी के हर क्षेत्र में शिखर पर चढ़ रही हैं। पुरुष अपनी सोच बदलेंगे तो महिलाओं के प्रति उनका नजरिया भी बदलेगा और वे उन्हें सम्मान दे पाएंगे।

भोपाल में महादेव की भक्ति में रमे श्रद्धालु

मंदिरों में गूंज रहे बम-बम भोले के जयकारे गाजे-बाजे के साथ निकलेंगी शिव बारात

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में महाशिवरात्रि का पर्व शुक्रवार को धूमधाम से मनाया जा रहा है। सुबह से ही शिवालयों में भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। मंदिरों में बम-बम भोले के जयकारे गूंज रहे हैं। लोग पूर्ण श्रद्धाभाव से भगवान भोलेनाथ का पूजन-अभिषेक कर रहे हैं। इस पावन मौके पर तमाम मंदिरों में आकर्षक साज-सज्जा की गई है। जगह-जगह शिव पूजन सामग्री बेलपत्र, नारियल, धतुरा का फल, फूल आदि की दुकानें लगी हैं। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक स्थानों से गाजे-बाजों के साथ शिव बरात निकाली जाएगी। इसके साथ ही मेला, भजन, अभिषेक, आरती, प्रसादी वितरण एवं भंडारा सहित अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसको लेकर निगम प्रशासन, पुलिस द्वारा सभी तरह की व्यवस्थाएं की गई हैं।गाजे-बाजे के साथ दूल्हा बनकर निकलेंगे बाबा बटेश्वर महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में श्री बड़वाले महादेव मंदिर में चल रहे 21 दिवसीय महोत्सव के तहत आठ मार्च को भव्य शिव बारात निकाली जाएगी। रजत रथ में नंदी पर सवार होकर बाबा बटेश्वर नगर भ्रमण पर निकलेंगे। मंदिर समिति के संजय अग्रवाल एवं प्रमोद नेमा ने बताया कि सुबह 11=30 बजे मंदिर परिसर से भव्य शिव बारात प्रारंभ होगी। भगवान राम का सजीव चित्रण, होली खेलते शिवजी, धूनी रमाते बटेश्वर महादेव एवं दो डमरू दल बारात के आकर्षण का केंद्र रहेंगे। बारात सिंधी मार्केट, जनकपुरी, हनुमानगंज, मंगलवारा, इतवारा, चौक, लखेरापुरा से भवानी

चौक सोमवारा मंदिर पर पहुंचेगी यहां पर द्वारचार व वरमाला होगी।चार प्रहर अभिषेक व पाणिग्रहण महाशिवरात्रि पर सुबह पांच बजे से बाबा बटेश्वर का श्रद्धालु जलाभिषेक कर सकेंगे। रात्रि साठ बजे प्रथम, 12 बजे द्वितीय, दो बजे तृतीय एवं प्रात: पांच बजे चतुर्थ प्रहर का अभिषेक होगा। मध्य रात्रि बटेश्वर व मां गोरा का पाणिग्रहण संस्कार कराया जाएगा।

पशुपतिनाथ मंदिर में नेपाली समाज करेगा रुद्राभिषेक

महाशिवरात्रि पर श्रीपशुपतिनाथ नेपाली समाज द्वारा शिव बारात एवं कलश यात्रा निकाली जाएगी। नेपाल के परंपरागत पन्चेबाजा के साथ शुक्रवार को सुबह 8.30 बजे श्रीराम मंदिर ट्रस्ट गुरूबख्श की तलैया से बारात प्रारंभ होकर सब्जी मंडी, भारत टॉकीज ब्रिज के ऊपर, 80 फीट रोड, अशोका गार्डन, प्रभात पेट्रोल पंप चौराहा, अप्सरा टाकीज रोड, गोविंदपुरा बस स्टाप से होते हुए 12 बजे श्री पशुपतिनाथ मंदिर गोविंदपुरा पहुचेंगी। यहां भगवान श्री पशुपतिनाथ का रूद्राभिषेक किया जावेगा।

मां दुर्गा धाम शक्तिपीठ मंदिर से निकलेगी शिव बारात

मां दुर्गा धाम शक्तिपीठ मंदिर से महाशिवरात्रि पर शुक्रवार को शाम पांच बजे शिव बारात निकाली जाएगी । कैलाश पर्वत एवं नंदी पर सवार झांकियां के दर्शन कराए जाएंगे। भूत प्रेतों का स्वांग रचाए टोलियां भोले की बारात में नृत्य करते हुए नजर आएंगी। मंत्री विश्वास सारंग एवं महापौर मालती राय के साथ गणमान्य नागरिक भोले शंकर के बाराती बनेंगे। मंदिर के प्रचार सचिव अनिल ठाकुर ने बताया कि शिव बारात कैलाश पर्वत से प्रारंभ होकर अशोका गार्डन के मुख्य मुख्य मार्गो से होते हुए पुन: दुर्गा धाम मंदिर पर आएगी। आतिशबाजी की जाएगी। मंदिर में महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर पूजा अर्चना की गई।

उमापति महादेव मंदिर में अभिषेक के साथ मेला शुरू

महाशिवरात्रि महोत्सव संत हिरदाराम नगर में परंपरागत श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया जाएगा। त्यौहार की पूर्व संध्या पर स्टेशन रोड स्थित उमापति महादेव मंदिर पूजा अर्चना एवं अभिषेक के साथ दो दिनी मेला शुरू हुआ। विधायक रामेश्वर शर्मा ने मेले का शुभारंभ किया। इस मौके पर मंदिर समिति के पदाधिकारी रमेश हिंगोरानी, प्रमुख समाजसेवी हीरो ज्ञानचंदानी, पूज्य सिंधी पंचायत के महासचिव माधु चांदवानी, महेश दयारामानी, नरेश चोटरानी, महेश खटवानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे। गुरूवार को राम, श्याम एंड पार्टी की ओर से लोक संगीत कार्यक्रम पेश किया गया। आठ मार्च को पूजा अर्चना एवं अभिषेक किया जाएगा। इसी दिन देर रात को सिंधी लोक संगीत कार्यक्रम होगा।

अवैध गेम जोन और रिसोर्ट पर चला प्रशासन का बुलडोजर

सिटी चीफ भोपाल।

जिला प्रशासन ने बैरागढ़ संभाग में अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध गेम जोन और रिसोर्ट पर बुलडोजर चला दिया। इसके अलावा अवैध रूप से काटे जा रहे प्लाटों पर भी कार्रवाई की गई है। इसको लेकर प्रशासन को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं।एसडीएम बैरागढ़ विनोद सोनकिया ने बताया कि पलासी और बड़वाई में बड़ी संख्या में बिना अनुमति के व्यावसायिक गतिविधियों के साथ अवैध रूप से प्लाटिंग किए जाने की शिकायतें थी। कलेक्टर के निर्देश पर गुरुवार को जिला प्रशासन की टीम के साथ पुलिस और नगर निगम की टीम के साथ पलासी गांव पहुंचे। मौके पर गेम जोन से लेकर बड़े-बड़े डोम में रिसोर्ट और व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होना पाया गया। इसके साथ ही बड़े स्तर पर प्लाटिंग भी की जा रही थी। प्रशासन ने सभी से संबंधित जमीन और उस पर निर्माण की अनुमति संबंधी

कागजात मांगे। इस संबंध कोई भी किसी तरह की अनुमति संबंधी कागजात उपलब्ध नहीं करा सके। इसके बाद सभी निर्माण को गिरा दिया गया।

इन पर चला बुलडोजर

एसडीएम ने बताया कि ग्राम बड़वाई में आबिद अंसारी ने गेम जोन बनाया था। वहीं ग्राम पलासी में करीब सवा एकड़ में रिजवान खान ने रिसार्ट बिना किसी अनुमति के बनाया था। यहीं पर एक क्षेत्र में उषा जैन, मुर्तुजा अली और रशीद खान के अवैध प्लाटिंग और गार्डन पर बुलडोजर चला गया है।

कांग्रेस की 13 मार्च को होगी प्रत्याशी चयन को लेकर बैठक, दिल्ली में होगी मीटिंग

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के प्रत्याशी चयन को लेकर अब दिल्ली में बैठक 13 मार्च को होगी। इसके लिए गुरुवार को केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक प्रस्तावित थी लेकिन तिथि परिवर्तन किया गया है। प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारियोंउल्लेखनीय है कि पार्टी ने संभावित प्रत्याशियों का पता लगाने के लिए 29

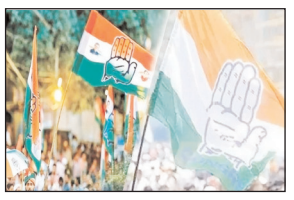

समन्वयक भेजकर रायशुमारी कराई है। इसकी रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस को सौंपी जा चुकी है। इसके आधार पर एक बार स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक भी हो चुकी है।

जनजातीय संग्रहालय में इंद्राणी समारोह का शुभारंभ आज, शहीद भवन में नाटक पड़ोसी की बीवी का मंचन

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। शुक्रवार 08 मार्च को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।मंदिर श्रंखला प्रदर्शनी - भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के सहयोग से जीपी बिरला संग्रहालय में मंदिरों की श्रृंखला की प्रदर्शनी लगाई जा रही है। इसमें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अधीन लगभग 30 मंदिर शामिल हैं, जो 1800 वर्ष पहले पाषाणों पर देवालय निर्माण परंपरा के प्रारंभिक चरण से लेकर 12-13वी शताब्दी तक के मंदिर है। इसे सुबह 11 से शाम सात बजे तक देख सकते हैं। माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में माह का प्रादर्श श्रंखला के तहत मणिपुर की थंगाल जनजाति के कृषि उपकरण %मकी कफा - एक पारंपरिक कुदाल को प्रदर्शित किया जा रहा है। वीथी

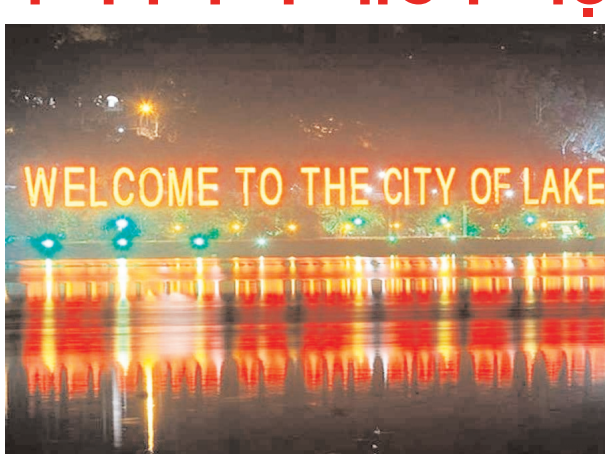

संकुल में इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में भील समुदाय की चित्रकार रेसु गणावा के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया जा रहा है। 47वीं शलाका चित्र प्रदर्शनी को दोपहर 12 से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है।

मिलेट्स एंड हेल्थ एक्सपो - संस्था भोजपाल मित्र परिषद द्वारा मिलेट्स एवं स्वास्थ्य एक्सपो का आयोजन आठ से 10 मार्च तक बिट्टन मार्केट मैदान पर किया जाएगा। इसका समय दोपहर दो बजे से रात 11 बजे तक रहेगा। इसमें मिलेट्स (मोटे अनाज) को लेकर जागरुकता एवं उसके औषधीय गुण के साथ-साथ मिलेट्स से बनने वाले कई प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों के लाइव स्टाल के साथ-साथ बनाने की विधि तथा उपयोगिता की जानकारी भी दी जाएगी। साथ ही स्वास्थ्य को लेकर योग, मेडिटेशन, जुंबा, मोटिवेशनल स्पीच आदि के प्रबंध भी इस एक्सपो में शामिल किए जाएंगे। हुनर हाट - मप्र राज्य सहकारी संघ परिसर, त्रिलंगा में सहकारी हुनर हाट हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किय जा रहा है। प्रदर्शनी में देशभर के हस्त शिल्पियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं का विक्रय किया जा रहा है। समय दोपहर दो बजे से रात दस बजे तक है। संगीत समारोह - चैतन्य सोश्यो कल्चरल सोसायटी द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सुर साम्राज्ञी भारत रत्न लता मंगेशकर को समर्पित संगीत-सम्मान-नृत्य पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आठ मार्च को रंगश्री लिटिल बैले ट्रुप सभागार, श्यामला हिल्स में आयोजित किया जाएगा। इसमें डा विजया शर्मा एवं उनकी शिष्याएं कत्थक नृत्य का प्रदर्शन करेंगी । इसके अलावा रंग क्षितिज थियेटर एंड वेलफेयर सोसायटी द्वारा आलोक गच्छ के निर्देशन में कहानी निर्भया का मंचन किया जाएगा। समय शाम सात बजे से और प्रवेश निश्शुल्क रहेगा। रंग महोत्सव - नव नृत्य नाट्य संस्था की ओर से स्व. प्रभात गांगुली और पद्मश्री गुलवर्धन की स्मृति में पांच दिवसीय हास्य व्यंग्य नाट्य एवं सम्मान समारोह का आयोजन छह से दस मार्च तक शहीद भवन में किया जा रहा है। शुक्रवार को महोत्सव के तीसरे दिन नजीर कुरैशी के निर्देशन में नाटक पड़ोसी की बीवी का मंचन शाम सात बजे से किया जाएगा। दर्शकों के लिए प्रवेश निश्शुल्क है। इंद्राणी समारोह - जनजातीय संग्रहालय में महिलाओं की सृजनात्मकता का उत्सव इंद्राणी समारोह का आयोजन आठ से दस मार्च तक किया जाएगा। इसमें मप्र, गुजरात, हरियाणा, असम, राजस्थान, नई दिल्ली, तेलंगाना और महाराष्ट्र राज्यों के महिला प्रधान नृत्य-गायन, वादन के साथ ही देशज व्यंजन, शिल्प मेला एवं चित्रांकन शिविर गतिविधियां होंगी। शुक्रवार को समारोह के पहले दिन सुधा रघुरामन नई दिल्ली द्वारा भोपाल की भरतनाट्यम नृत्यांगनाओं मंजु मणि हतवलने, श्वेता देवेंद्र, कविता साजी नायर एवं नीरजा सक्सेना की शिष्याओं के साथ कर्नाटक संगीत में शिवशक्ति की विशेष परिकल्पित प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही डा. तृप्ति नागर एवं साथी उज्जैन द्वारा मटकी नृत्य, जमुना अखंड़े एवं साथी हरदा द्वारा कोरकू जनजातीय चिटकोला नृत्य, सुलेखा कुमारी एवं साथी झारखंड द्वारा डोम कच्छ नृत्य, गायत्री कोनवार एवं साथी असम द्वारा बीहू नृत्य एवं मीनल सेवक एवं साथी गुजरात द्वारा टिपणी नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी।

मध्य प्रदेश में राजनीति में भी सशक्त हो रही महिलाएं, शहरों के मुकाबले ग्रामीण नारियां आगे

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश में राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। प्रदेश में पंचायत और नगरीय निकाय जैसी संस्थाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने पचास प्रतिशत महिला आरक्षण दिया है लेकिन यहां 60 प्रतिशत महिलाएं चुनाव जीतकर प्रतिनिधित्व कर रही हैं। यही स्थिति नगर निगमों की है। प्रदेश के 16 नगार निगमों में से नौ में महिला महापौर हैं।तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो शहरों की तुलना में ग्रामीण महिलाएं राजनीति में आगे हैं। विधानसभा और लोकसभा में महिला आरक्षण नहीं है फिर भी यहां महिलाओं की संख्या कम नहीं है। मप्र विधानसभा में लगभग 11 प्रतिशत से ज्यादा यानी कुल 230 सदस्यों वाले सदन में 27 है। वहीं, लोकसभा में 29 में से चार सांसद महिलाएं हैं। वहीं, इस बार के लोकसभा चुनाव में भाजपा की ओर से ज्यादा महिलाओं को टिकट दिए जाने की संभावना है। तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो शहरों की तुलना में ग्रामीण महिलाएं राजनीति में आगे हैं। विधानसभा और लोकसभा में महिला आरक्षण नहीं है फिर भी यहां महिलाओं की संख्या कम नहीं है। मप्र विधानसभा में लगभग 11 प्रतिशत से ज्यादा यानी कुल 230 सदस्यों वाले सदन में 27 है। वहीं, लोकसभा में 29 में से चार सांसद महिलाएं हैं। वहीं, इस बार के लोकसभा चुनाव में भाजपा की ओर से ज्यादा महिलाओं को टिकट दिए जाने की संभावना है।

संपादकीय

न्यू एज मीडिया... अवसर व जोखिम

फिक्की-ईवाई की मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र पर जारी नवीनतम रिपोर्ट में कई दिलचस्प अवलोकन, डेटा बिंदु और रुझान सामने आए हैं जो इस क्षेत्र के उद्यमों के लिए इस बात में मददगार हो सकते हैं कि वे प्रासंगिक बने रहने के लिए अनुकूलन के कुछ कदम उठाएं या कुछ नया करें। इस रिपोर्ट के अहम आंकड़ों से यह पता चलता है कि यह क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है और साल 2023 में 8 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि के साथ इसका आकार 2.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वैसे तो इस उद्योग का आकार अब महामारी से पहले के दौर की तुलना में करीब 21 फीसदी ज्यादा हो चुका है, लेकिन इसके सभी घटकों में एक समान गति से बढ़त नहीं हो रही। उदाहरण के लिए टेलीविजन, प्रिंट और रेडियो सेगमेंट का आकार अभी भी महामारी के पहले वाले दौर से कम है। इस प्रकार यह क्षेत्र मुख्यत: डिजिटल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग और फिल्मी मनोरंजन के दम पर आगे बढ़ रहा है। यही नहीं, भविष्य के अनुमान (2023-26) भी यह संकेत देते हैं कि ऑनलाइन गेमिंग, डिजिटल मीडिया, एनिमेशन और संगीत ही इस उद्योग के लिए राजस्व के मुख्य वाहक होंगे। यह रुझान निश्चित रूप से भारत में उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं और इंटरनेट की बढ़ती पैठ का प्रतिबिंब है। जैसा कि रिपोर्ट में बताया गया है, दिसंबर 2023 तक देश में इंटरनेट की पहुंच 8 फीसदी बढ़कर 93.8 करोड़ सबस्क्राइबर तक हो गई है। साल 2023 में भारतीयों ने हर दिन करीब 4.8 घंटे फोन देखते या इस्तेमाल करते हुए गुजारे। इसके अलावा, उन्होंने इस समय का करीब 50 फीसदी हिस्सा सोशल मीडिया पर और 28 फीसदी हिस्सा मनोरंजन और खबरों पर बिताया। इस रिपोर्ट का सबसे उल्लेखनीय बिंदु है भारत में ऑनलाइन गेमिंग का उभार और अपनाया जाना। आंकड़ों के मुताबिक साल 2023 में ऑनलाइन गेमिंग में करीब 22 फीसदी की बढ़त हुई और यह फिल्मी मनोरंजन को पीछे छोड़ते हुए इस उद्योग का चौथा सबसे बड़ा घटक बन गया। अनुमान के मुताबिक देश में ऑनलाइन गेमर की संख्या 45 करोड़ से ज्यादा हो चुकी है और इस सेगमेंट के राजस्व का 83 फीसदी हिस्सा पैसे से जुड़े गेमिंग से आता है। ऑनलाइन गेमिंग पर माल एवं सेवा कर बढ़ाने का भी कोई बड़ा असर नहीं हुआ है। लेकिन भारत में मीडिया और मनोरंजन कारोबार के बढ़ते जाने के बावजूद विकसित देशों की तुलना में विज्ञापन राजस्व काफी कम है। भारत में विज्ञापन राजस्व सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में करीब 0.33 फीसदी ही है, जबकि बड़े विकसित देशों में यह 0.6 से 1 फीसदी तक होता है। इसके अलावा इस उद्योग के राजस्व का मुख्य वाहक अब न्यू एज मीडिया बन गई है जो एक साथ ही अवसर और चुनौतियां दोनों पैदा करती है। ऑनलाइन सामग्री के उपभोग बढ़ते जाने की वजह से इस माध्यम में ज्यादा विज्ञापन जाने लगे हैं। यह छोटे कारोबारियों को भी अपने लक्षित वर्ग तक पहुंच बनाने में मदद करता है। अनुमान के मुताबिक साल 2023 में देश के करीब 10 लाख छोटे कारोबारियों ने डिजिटल विज्ञापन पर करीब 20,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। यह रुझान बताता है कि इस उद्योग में जो अतिरिक्त राजस्व आएगा वह बड़ी प्रौद्योगिकी फर्मों के खाते में चला जाएगा। साल 2019 में डिजिटल और प्रिंट मीडिया का आकार लगभग बराबर ही था, लेकिन साल 2026 तक डिजिटल मीडिया के बढ़कर प्रिंट से तीन गुना हो जाने का अनुमान है और टीवी को तो यह अभी ही पीछे छोड़ चुका है। इसलिए परंपरागत मीडिया के लिए चुनौती प्रासंगिक बनी हुई है। आगे के लिए एक कदम यह हो सकता है कि पाठकों-दर्शकों को ज्यादा प्रभावी तरीके से जोड़ने के लिए डिजिटल और सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया जाए। परंपरागत मीडिया की पहुंच अभी बरकरार है और इसका इस्तेमाल ज्यादा राजस्व आकर्षित करने के लिए करने की जरूरत है। नीति नियंताओं के लिए यह सुनिश्चित करना चुनौती होगी कि बड़े सोशल मीडिया दिग्गजों सहित

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस: महिलाएं देश बनाती हैं, इसलिए जरूरी है आधी आबादी का आर्थिक सशक्तीकरण

देश की आधी आबादी यानी महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने से न सिर्फ आर्थिक विकास, बल्कि सामाजिक बदलाव की भी जमीन तैयार होती है। उनके लिए वित्तीय अवसर पैदा करने से वह तो मजबूत होती ही हैं, परिवार के साथ-साथ देश भी मजबूत होता है।हाल के वर्षों में भारत की आर्थिक प्रगति ने महत्वपूर्ण गति पकड़ी है। वर्तमान में देश अपने 50 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के सपने की बुनियाद मजबूत कर रहा है, जल्द ही यह तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने वाला है और अंतत: 2047 तक भारत पूर्ण विकसित राष्ट्र बन जाएगा। लेकिन इस सपने को साकार करने के लिए जरूरी है कि हम अपनी आधी आबादी यानी महिलाओं को सशक्त बनाने के महत्व को स्वीकार करें। खेल, व्यवसाय से लेकर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी तक, यानी जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं ने साबित किया है कि भारत की प्रगति में उनका योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। उनकी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए उनका वित्तीय सशक्तीकरण आवश्यक है, ताकि वे देश के विकास को प्रगतिशील और समावेशी बनाने में बदलाव की वाहक बन सकें। आज हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि महिला सशक्तीकरण महज एक नारा नहीं है, बल्कि इसे हासिल करने से विभिन्न आर्थिक-सामाजिक पहलुओं पर ठोस परिणाम सामने आते हैं। उदाहरण के लिए, श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर उन्हें सशक्त बनाने से न केवल जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि होती है, बल्कि अर्थव्यवस्था मजबूत बनती है और समग्र कल्याण में सुधार होता है। एक रिपोर्ट बताती है कि अधिकांश लैंगिक रूप से समान अर्थव्यवस्था वाले देशों में लैंगिक रूप से असमान अर्थव्यवस्था वाले देशों की तुलना में औसत वार्षिक जीडीपी वृद्धि दर 0.8 प्रतिशत अधिक है। विकास दर में यह अंतर 15 साल की अवधि में जीडीपी के अतिरिक्त 20 फीसदी के बराबर है। यहां तक कि मैकिंजे की एक रिपोर्ट भी इस बात पर प्रकाश डालती है कि महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने से 2025 तक भारत की जीडीपी 770 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ सकती है। इसलिए मजबूत आर्थिक विकास करने वाले भारत द्वारा श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उनका समर्थन करने से उसकी ताकत कई गुना बढ़ सकती है। इसे हासिल करने के लिए संगठनों को श्रमबल में विविधता लाने के महत्व और आवश्यकता को महसूस करने की जरूरत है। इसे सुनिश्चित करने से अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ सकती है और विविध विचारों और दृष्टिकोण वाली कंपनियों को लाभ भी हो सकता है। चूंकि महिलाएं कई भूमिकाएं निभाती हैं और व्यक्तिगत एवं पेशेवर स्तर पर विभिन्न तरह की जिम्मेदारियां संभालती हैं, इसलिए संगठनों को उन्हें काम एवं जीवन में बेहतर संतुलन बनाने में मदद करने के लिए आगे आना चाहिए, ताकि वित्तीय विकास के लिए उन्हें अपने निजी जीवन का त्याग न करना पड़े। लचीली कार्य-व्यवस्था प्रदान करने, प्रगतिशील अवकाश नीति अपनाने, बाल-देखभाल सहायता सुनिश्चित करने एवं उन्हें अन्य सुविधाएं देने से इसे आसानी से हासिल किया जा सकता है। ये प्रयास महिलाओं की भलाई और उन्हें बेहतर रोजगार संतुष्टि प्रदान कर कार्य में सार्थक योगदान देने में सक्षम बना सकते हैं। नेतृत्व में विविधता लाने के लिए संगठन के भीतर वरिष्ठ भूमिकाओं में महिलाओं को बढ़ावा देने के लिए अवसर भी पैदा करने होंगे। सीखने की पहल, कोचिंग एवं सलाह के माध्यम से महिला प्रतिभाओं की पहचान करने औरउन्हें नेतृत्वकारी भूमिका की खातिर तैयार करने से वे अपने कॅरिअर को कुशलता एवं आत्मविश्वास के साथ बढ़ाने में सक्षम हो सकती हैं और बेहतर समस्या समाधान, तेजी से निर्णय लेने और विकास एवं सफलता के लिए समग्र सुधार में संगठनों का समर्थन कर सकती हैं। इस समय देश के आर्थिक विकास ने एक लहर पैदा कर दी है, जिससे महिलाओं के वित्तीय विकास की संभावनाएं पैदा हो रही हैं। ऐसे में, उन्हें मौजूदा और उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार करने एवं समर्थन देने की जरूरत है। उदाहरण के लिए, भारत फिलहाल एक मजबूत डिजिटल अर्थव्यवस्था में परिवर्तन का प्रयास कर रहा है। इससे महिलाओं के डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देना आवश्यक हो गया है, ताकि वे अपनी आय, रोजगार की संभावनाएं बढ़ा सकें और ज्ञान हासिल करके समग्र विकास कर सकें। यह सुनिश्चित करने के लिए वंचित क्षेत्रों में इंटरनेट कवरेज का विस्तार करना, किफायती इंटरनेट कनेक्शन प्रदान करना, महिलाओं के लिए डिजिटल कौशल का समर्थन करना और डिजिटल संसाधनों तक पहुंच में सुधार करना जरूरी है, जो बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में उनकी भागीदारी बढ़ा सकता है और उन्हें सफलतापूर्वक आगे बढ़ने में मदद कर सकता है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने से सिर्फ आर्थिक विकास ही हासिल नहीं होता, बल्कि यह सामाजिक बदलाव लाने के लिए एक सशक्त साधन के रूप में भी काम करता है। उनके लिए वित्तीय अवसर पैदा करने और उन्हें आय के नियमित स्रोत से जोड़ने से न केवल उनकी व्यक्तिगत समृद्धि बढ़ती है, बल्कि वे अपने परिवार का सहयोग करने में भी सक्षम होती हैं। वित्तीय सशक्तीकरण से उनके जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार होता है। यह उन्हें अपने बच्चों की स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में और ज्यादा निवेश करने तथा भविष्य के लिए स्वस्थ, शिक्षित और सशक्त पीढ़ियों के निर्माण में योगदान करने के लिए सशक्त बनाता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वित्तीय रूप से स्वतंत्र और सशक्त महिलाएं बदलाव का वाहक बनती हैं और समाज में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए प्रेरणा का काम करती हैं। वे पारंपरिक लैंगिक भूमिकाओं एवं मानदंडों को चुनौती देने, पुरुषों की बराबरी करने, उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने और एक समावेशी समाज बनाने के लिए परिवार और समुदाय की अन्य महिलाओं के लिए रोल मॉडल के रूप में काम करती हैं। कुल मिलाकर, महिलाओं को स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें सशक्त बनाना जरूरी है, ताकि वे भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने में अग्रणी ताकत के रूप में उभर सकें। भारतीय अर्थव्यवस्था में उनके महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए महिला सशक्तीकरण की चर्चा करना न केवल महत्वपूर्ण है, बल्कि जरूरी भी है। उन्हें जरूरी समर्थन, प्रोत्साहन और मान्यता देने से यह सुनिश्चित करना संभव होगा कि वे आगे बढ़ें और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालती रहें।

महिला दिवस 2024: पर्यावरण और वन्यजीवों के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान

इंसानो द्वारा फेके गए गीले कचरे के साथ मिला हुआ प्लास्टिक और न गलने वाले ठोस कचरे (सॉलिड वेस्ट) का प्रदूषण एक विश्वव्यापी समस्या है। यह प्रदूषण गैर-विकसित और विकासशील देशों में कचरे के गैर-प्रबंधन के कारण न सिर्फ शहरों के इर्द गिर्द बल्कि धीरे-धीरे प्राकृतिक वनीय क्षेत्रों की ओर फैलता जा रहा है।पीएचडी शोध के शुरुआती समय में मैं अपने फील्ड सहायक के साथ रामनगर शहर के किनारे स्थित कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान के पास एक बड़े से कूड़े के ढेर पर मंडराते जानवरो पर अध्ययन कर रही थी, तभी हमने एक गाय को कूड़े के ढेर में से कुछ खाते हुए देखा। ध्यान से देखने पर पता चला कि सब्ज़ी के छिलकों को खाते समय एक इंजेक्शन की सुई गाय के मुंह में घुस गई है और वह दर्द से उसे छुड़ाने की कोशिश कर रही है।इस दृश्य ने मुझे हिंदी की प्रसिद्ध लेखिका महादेवी वर्मा की कहानी याद दिला दी जिसमे एक ग्वाले ने अपने स्वार्थ के लिए उनकी प्यारी पालतू गाय गौरा को धोखे से चारे में सुई मिला के खिला दी थी जिससे उसकी मृत्यु हो जाती है।इंसानों द्वारा फेंके गए गीले कचरे के साथ मिला हुआ प्लास्टिक और न गलने वाले ठोस कचरे (सॉलिड वेस्ट) का प्रदूषण एक विश्वव्यापी समस्या है। यह प्रदूषण गैर-विकसित और विकासशील देशों में कचरे के गैर-प्रबंधन के कारण न सिर्फ शहरों के इर्द गिर्द बल्कि धीरे-धीरे प्राकृतिक वनीय क्षेत्रों की ओर फैलता जा रहा है।प्लास्टिक प्रदूषण विश्व स्तर पर हर जगह व्याप्त है-कम अंतराल में यह एवरेस्ट की चोटी से लेकर मरियना ट्रेंच (समुद्र की सबसे गहरी खाई) तक तथा पृथ्वी के सबसे विषम इलाकों तक प्लास्टिक ने अपनी मौजूदगी दर्ज की है। प्लास्टिक जल और स्थल में पर्यावरण कारकों के प्रभाव से धीरे-धीरे टूटता है जो मुख्यत: तीन आकार में देखा जाता है - मैक्रोप्लास्टिक (> 5 मिलीमीटर), माइक्रोप्लास्टिक (1-5 मिलीमीटर) और नैनोप्लास्टिक (< 1 माइक्रोमीटर)। दक्षिण ध्रुव (अंटार्टिका) में हुई एक बर्फ़बारी में और वहां पाए जाने वाली पेंगुइन्स के गुआनो (मल) में भी माइक्रोप्लास्टिक कण पाए गए हैं। उसी तरह उत्तरी ध्रुव (आर्कटिक) में पाए जाने वाले आर्कटिक लोमड़ी (आर्कटिक फॉक्स) के मल से लेकर गहरे समुद्र के कोरल्स (शैवाल) तक इसका प्रसार है। यह समस्या इतनी संजीदा है कि हाल ही में मनुष्य के खून, फेफड़ों और गर्भवती महिला में शिशु की नाल में भी माइक्रोप्लास्टिकस पाए गए हैं। समुद्र और स्थल के तलछट (सेडीमेंट) नमूनों में प्लास्टिक की सर्वव्यापी उपस्थिति ने शोधकर्ताओं को इसे एंथ्रोपोसीन (मानव-प्रेरित पर्यावरणीय परिवर्तन का दौर) का संकेतक मानने पर मजबूर कर दिया है।प्लास्टिक प्रदूषण के स्थलीय जंगली जानवरों पर होने वाले संभावित दुष्प्रभावों पर मैंने वर्ष 2015 में शोध कार्य शुरू किया। यह दक्षिण एशिया में इस विषय पर किया गया पहला व्यवस्थित वैज्ञानिक शोध है। मैंने इस प्लास्टिक प्रोजेक्ट की शुरुआत देहरादून स्थित गैर-सरकारी संस्था नेचर साइंस इनिशिएटिव के साथ कुमाऊं में नैनीताल में बेस एक छोटे से गांव से की जो नैनादेवी कन्सरवेशन रिजर्व के अंतर्गत आता है, वहां मैंने कूड़े के ढेर पर कैमरा ट्रैप लगाकर और जानवरों के व्यवहार का अवलोकन करके पहली बार जाना की कई जंगली जानवर जैसे पाम सिवेट, स्याही, कस्तूरा (ब्लू व्हिसलिंग थ्रश) और अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसी ?न) की लाल सूची में आने वाले प्रजाती जैसे चितराला (येलो-थ्रोटेड मार्टेन) और सांबर, मनुष्यों द्वारा आमतौर पर प्लास्टिक की थैली (जिसे हमने प्लास्टिक बम का नाम भी दिया है) में फेंके गए गीले कचरे के साथ मिले प्लास्टिक के टुकड़ों को भी अनजाने में खा जाते हैं। इन जानवरों के कूड़े पर खाने के व्यवहार के प्रकार का अध्ययन करके तीन श्रेणियों में पहचाना गया है जो विशेषत: तीन प्रकार से प्लास्टिक निगलते हैं - पहला हैंडलर - जो कि प्लास्टिक को खाने योग्य कचरे से अलग कर सकते हैं, जैसे बन्दर, दूसरा पैकेर - खासकर पक्षी जो चुन-चुन करके प्लास्टिक को गीले कचरे से अलग करते हैं और तीसरा गल्पर - जो प्लास्टिक को गीले कचरे से अलग नहीं कर पाते और कचरे के साथ प्लास्टिक निगल जाते हैं जैसे सांभर हिरन। नैनीताल में किए गए प्लास्टिक प्रोजेक्ट के गंभीर परिणामों ने मुझे अशांत कर गहरी सोच में डाल दिया, जिससे प्रेरित होकर मैंने प्लास्टिक प्रदूषण के ऊपर शोध करने के लिए 2016 में जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के पीएचडी प्रोग्राम में प्रवेश लिया। कॉर्बेट जो भारत के विशेष राष्ट्रीय उद्यानों में से एक है, वहां इस महत्वपूर्ण विषय पर कार्य करने के लिए रिसर्च परमिट न मिल पाने के कारन मेरी पीएचडी का काम लगभग रुक सा गया था और यह पल बहुत कष्टदायी रहा। लेकिन अनेक आवेदनों के पश्चात् मुझे हरिद्वार और लैंसडाउन वन डिवीज़न में अपने प्लास्टिक प्रोजेक्ट को पूरा करने का अवसर मिला। मुझे इस प्रोजेक्ट के लिए रफ्फोर्ड स्माल ग्रांट्स की फंडिंग भी मिली।

कानून: समानता का मूल्य सबके लिए, फिर लिंग-तटस्थ फैसलों की इतनी कमी क्यों

लिंग तटस्थ कानून की मांग कुछ दशकों से उठ रही है, क्योंकि संविधान का मूल भाव बिना किसी लिंग भेद के समानता की प्रस्थापना करता है।बीते दिनों इंदौर के परिवार न्यायालय ने एक पत्नी को भरण-पोषण के लिए हर महीने अपने पति को पांच हजार रुपये देने का आदेश दिया। अमूमन देश भर की अदालतों में पत्नी को गुजारा भत्ता देने के आदेश दृष्टिगोचर होते हैं। बेशक यह देश का ऐसा पहला मामला नहीं है, जहां वैवाहिक विवाद की स्थिति में एक पत्नी द्वारा पति को गुजारा भत्ता देने के आदेश दिए गए हों। लेकिन पिछले सात दशकों में ऐसे 'लिंग-तटस्थ' निर्णयों को उंगलियों पर गिना जा सकता है। सितंबर, 1988 में 'ललित मोहन बनाम तृप्ता देवी' के मामले में निर्णय देते हुए जम्मू एवं कश्मीर उच्च न्यायालय ने कहा था कि 'चूंकि पति की कोई स्वतंत्र आय नहीं है और प्रतिवादी पत्नी हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 30 और 31 (मौजूदा हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 24 और 25) के अनुसार, पति को गुजारा भत्ता देने की स्थिति में है, अत: याचिकाकर्ता पति को सौ रुपये प्रति माह भरण-पोषण दिया जाए।' उल्लेखनीय है कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 24 'लिंग तटस्थ' है। लिंग तटस्थ वह विचार है, जहां जैविक अंतर के कारण सामाजिक, सांस्कृतिक तथा वैधानिक स्तर पर विभेद परिलक्षित न हो। लिंग-तटस्थ व्यवस्था, बिना किसी व्यवधान के सामाजिक गतिशीलता को बनाए रखने का आश्वासन भी है। अगर हम भारतीय वैधानिक व्यवस्था को इस संदर्भ में देखें, तो हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 24 तथा 25 के प्रावधान लिंग तटस्थ हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 31 मार्च, 2011 को रानी सेठी बनाम सुनील सेठी मामले में कहा था कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 24 का उद्देश्य ऐसे जीवनसाथी को सहायता प्रदान करना है, जिसके पास आय का कोई स्वतंत्र स्रोत नहीं है और वह अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इसी आधार पर पत्नी को, पति को बीस हजार रुपये देने का आदेश दिया था। लिंग तटस्थ कानून की मांग विगत कुछ दशकों से उठ रही है और इसके पीछे स्पष्ट तर्क यह है कि जब संविधान का मूल भाव बिना किसी लिंग भेद के समानता की प्रस्थापना करना है, तो क्यों वैधानिक स्तर पर स्त्री विशेषाधिकार कानून हैं? इस तर्क को अयोग्य मानते हुए यह दलील दी जाती है कि चूंकि महिलाएं पुरुष सत्तात्मक व्यवस्था में प्रताड़ित और पीड़ित रही हैं, इसलिए उनके संरक्षण और संवर्धन के लिए कानून का एकपक्षीय होना न्यायसंगत है। इसमें किंचित भी संदेह नहीं कि दुनिया भर में सहस्राब्दियों से महिलाएं हाशिये पर धकेल दी गई थीं और इसके विरोध में लैंगिक समानता का संघर्ष जन्मा। वैचारिक, सामाजिक तथा वैधानिक स्तर पर महिलाओं को सामान्य स्तर पर लाने की जद्दोजहद जैसे-जैसे आगे बढ़ती गई, वैसे-वैसे लैंगिक समानता का वास्तविक अर्थ अपना अस्तित्व खोता चला गया। 'लैंगिक समानता' को मात्र महिलाओं की समानता समझना उसके अर्थ को खंडित करता है। लैंगिक समानता का वास्तविक और संपूर्ण अर्थ बिना किसी लिंग भेद के समानता स्थापित करना है। महिलाओं का समानता का संघर्ष एक संवेदनशील सामाजिक व्यवस्था में अपेक्षित और अपरिहार्य भी है, परंतु यह कहना कि 'विश्व के सभी पुरुष क्रूर, असंवेदनशील तथा रूढ़िवादी हैं', दुर्भाग्यपूर्ण है। बीते दशकों में शिक्षा, रोजगार तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता ने महिलाओं को सशक्त बनाया है और वह आर्थिक स्वावलंबन की ओर बढ़ रही हैं। हालांकि वह अब भी स्वावलंबन का अपेक्षित स्तर अर्जित नहीं कर पाई हैं। परंतु यह मानना कि उनकी स्थिति दशकों पूर्व जैसी ही है, महिला सशक्तीकरण से संबंधित आंकड़ों से मेल नहीं खाता। दूसरी तरफ, 2017 में 'द मेलबॉक्स : ए स्टडी ऑन बीइंग ए यंग मैन इन द यूएस, यूके ऐंड मेक्सिको' अध्ययन पुरुष होने की पीड़ा को बखूबी बयान करता है। यह बताता है कि पुरुषों पर यह दबाव निरंतर बना रहता है कि वे अधिकाधिक धन अर्जित करें, जिससे उनका परिवार भौतिक संसाधनों को सहजता से प्राप्त कर सके। अगर किसी कारणवश वह अपेक्षानुरूप ऐसा नहीं कर पाते, तो उन्हें कमतर और नकारा माना जाता है। क्या यह आवश्यक नहीं कि लैंगिक समानता का वास्तविक अर्थ न केवल जाना जाए, बल्कि उसके प्रति सचेष्ट प्रयास किए जाएं?

महाशिवरात्रि पर भक्तों को दर्शन देने डेढ़ घंटे पहले जागे बाबा महाकाल, श्रंगार कर चढ़ाई गई भस्म

महाशिवरात्रि पर भस्म आरती में हजारों की सं या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया। विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व की धूम पिछले नौ दिनों से जारी है। लेकिन, फाल्गुन कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी शुक्रवार को भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह की मंगल बेला में बाबा महाकाल अपने भक्तों को आशीष देने के लिए डेढ़ घंटे पहले जागे। रात 2:30 बजे मंदिर के पट खोले गए, जिसके बाद भस्मआरती की शुरूआत हुई। रात 2:30 बजे बाबा महाकाल की भस्म आरती की शुरुआत होने के साथ ही मंदिर के पट 44 घंटे के लिए खुल गए और चार प्रहर की पूजा अर्चना भी शुरू हो गई। मंदिर के पुजारी पंडित आशीष शर्मा ने बताया कि मंदिर मे शुक्रवार रात्रि 2:30 बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को रजत का मुकुट रुद्राक्ष और पुष्पों की माला धारण करवाई गई। बाबा महाकाल का अलौकिक श्रृंगार कर ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। भस्म आरती में हजारों की सं या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

देखने के बाद दिल को बस्तर द नक्सल स्टोरी को लेकर अदा शर्मा बोलीं- डरा देगी फिल्म

नई दिल्ली । अदा शर्मा इन दिनों अपनी फिल्म बस्तर द नक्सल स्टोरी को लेकर छाई हुई हैं। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है जिसे काफी पसंद किया गया है। फिल्म में अदा,आईपीएस नीरजा माधवन का किरदार निभा रही हैं। अब अदा ने अपने फिल्म को लेकर बात की और इस दौरान उन्होंने बताया कि इस फिल्म से लोगों को डिस्टर्ब जरूर होना चाहिए। एक्ट्रेस ने ऐसा क्यों बोला आपको बताते हैं। दरअसल, अदा ने कहा, 'अपने किरदार के बारे में बात करते हुए और इसका उन पर क्या असर पड़ा। इस पर अदा ने कहा, हां इस किरदार का मुझपर बहुत असर पड़ा। मुझे लगता है कि होना भी चाहिए क्योंकि अगर मैं कहूं कि यह मेरे दिल को नहीं छुआ और मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ा तो मुझे लगता है यह गलत है। इसका मतलब मैंने प्लास्टिक परफॉर्मेंस दी।' किरदारों को लेकर उनकी अप्रोच को लेकर अदा ने कहा, 'जब मैं फिक्शनल फिल्म भी करती हूं तो भी मैं पढ़ती हूं कि मैं क्या कर रही हूं। तो अगर आप रिएलिस्टिक चीजें कर रहे हो तो मैं जानना चाहती हूं सब चीज के बारे में जो भी हुआ।' बता दें कि द केरल स्टोरी बनते वक्त अदा ने इसके लिए कई चीजें पढ़ीं और वीडियोज देखे। इस पर बात करते हुए अदा ने कहा, 'जब हमने केरल स्टोरी बनाई तब सुदिप्तो ने मुझे कई डिस्टर्बिंग वीडियोज भेजे और मैं उन सभी को रात भर देखती थी। मुझे फिर अजीब सपने आते थे जो भी हुआ था। मैं खुशनसीब हूं कि मैं एक घर में रह रही हूं अपने परिवार के साथ और काम करके मैं वापस घर जाती हूं।'

फिल्म देखकर डिस्टर्ब होना चाहिए अदा का कहना है कि जो भी फिल्म बक्सर देखेगा वो डर जरूर जाएगा। वह बोलती हैं, 'फिल्म ना सिर्फ आपके दिल को छुए बल्कि आपको डराए भी। यह फिल्म आपको झकझोरनी चाहिए। अगर आप कहें कि हमारे 76 जवानों को हमारे देश में रहने वाले लोगों ने बेहरहमी से मार डाला तो यह आपको झकझोर देगा। इसे वास्तव में आपको प्रभावित करना चाहिए और आपको परेशान करना चाहिए और मैं इसे खुद को प्रभावित और परेशान करने दूंगी क्योंकि तब मुझे लगता है कि यह सिर्फ मेरे प्रदर्शन में रहेगा और मैं कुछ रिएलिस्ट प्राप्त करने में सक्षम हो पाई।' फिल्म बस्तर के बारे में बात करें तो यह फिल्म छत्तीसगढ़ में नक्सल पर आधारित है। फिल्म में अदा शर्मा, इंदिरा तिवारी, शिल्पा शुक्ला, यशपाल शर्मा और रायमा सेन अहम किरदार में हैं। इसे अमरनाथ झा और विपुल शाह ने लिखा है। फिल्म 15 मार्च को रिलीज होगी।

फिल्मों से क्यों दूर भागती हैं नव्या नवेली नंदा.. अमिताभ बच्चन की पोती बोलीं- दादा और पापा ने

नई दिल्ली । अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की पोती नव्या नवेली सोशल मीडिया पर काफी में रहती हैं। फैंस नव्या को फिल्मों में काम करते देखना चाहते हैं। उनके भाई अगस्त्य नंदा ने पिछले साल 'द आर्चीज' के जरिए करियर की शुरुआत भी की, जिसके बाद नव्या के फिल्मी करियर का इंतजार किया जाने लगा। अब नव्या ने साफ कर दिया है कि फिल्मों में काम करने की उनकी कोई प्लानिंग नहीं है। वह फिल्म इंडस्ट्री से ज्यादा परिवार के बिजनेस की तरफ झुकाव रखती हैं। नव्या नवेली ने हाल ही में अपने करियर को लेकर बातचीत की। जब उनसे फिल्म इंडस्ट्री में करियर नहीं बनाने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उनके परिवार के दोनों पक्षों के पास समृद्ध विरासत है। उनके पिता के साइड चार पीढ़ियों लंबा बिजनेस है। वह इसे अपने लिए परिचित मानती हैं और एक सीधे रास्ते जैसे देखती हैं। बता दें कि नव्या अपने पिता के फैमिली बिजनेस एस्कॉर्ट्स ग्रुप में तब से हैं, जब उनकी उम्र महज 21 साल ही थी। इसके बारे में और जानकारी देते हुए नव्या ने कहा कि उनके दादा और पिता ने उनका पालन-पोषण दिल्ली में किया था, जहां पर स्टॉक मार्केट और ट्रैक्टर्स को लेकर काफी कम उम्र से ही चर्चा होती थी। इन्हीं सबसे नव्या को फैमिली बिजनेस समझने में मदद भी मिली।

करती हैं इसका सम्मान इससे पहले, नव्या ने बताया था कि वह महज 21 साल की उम्र से बिजनेस कर रही हैं। उन्होंने कहा था, 'मैं एक काफी प्रिविलेज्ड बैकग्राउंड से आती हूं, इसलिए मुझे यह करने का अवसर मिला। मेरे परिवार ने मुझे आर्थिक रूप से सपोर्ट किया। मुझे ऐसे कई अवसर मिले जो अन्य लोगों को नहीं मिलते हैं। मैं अभी जो कर रही हूं, वह इसलिए कर पा रही, क्योंकि मैं जहां से आती हूं वह मेरे लिए एडवांटेज है। इसके प्रति मेरे मन में काफी सम्मान और आभार है, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि इसे बिना मैं यहां पहुंच पाती।

नव्या का पॉडकास्ट वैसे नव्या न सिर्फ बिजनेस देखती हैं, बल्कि वह एक यूट्यूबर भी हैं। उनका पॉडकास्ट 'वॉट द हेल नव्या' काफी चर्चित रहा है, जिसमें अपनी मां श्वेता बच्चन नंदा और दादी जया बच्चन से लाइफ के बारे में चर्चा करती हैं।

सुहाना के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे शाहरुख, आर्यन की 'स्टारडम' पर आया ये अपडेट

नई दिल्ली। बॉलीवुड के बेताज बादशाह शाहरुख खान जल्द ही अपनी बेटी सुहाना खान के साथ फिल्म में नजर आने वाले हैं। जी हां, दोनों साथ में सुजॉय घोष की आगामी फिल्म 'किंग' में साथ काम करने के लिए तैयार हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहरुख और सुहाना मई 2024 में इसकी शूटिंग शुरू करेंगे। बता दें, ये पहली बार होगा जब किंग खान अपनी बेटी के साथ किसी प्रोजेक्ट पर काम करेंगे। चलिए इस फिल्म के बारे में आपको और डिटेल में बताते हैं।

आर्यन की मदद कर रहे हैं शाहरुख खान प्रोजेक्ट से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, सुहाना अपनी अगली फिल्म 'किंग' की तैयारियों में व्यस्त हैं। वहीं शाहरुख मई में इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। फिलहाल, वह आर्यन की वेब सीरीज 'स्टारडम' में उसकी मदद कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि 'स्टारडम' की शूटिंग मुंबई में की जा रही है। शाहरुख अपने बेटे के काम की देखरेख कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया भी साझा कर रहे हैं। इसके बाद, वह कुछ अन्य कमिटमेंट्स के लिए अप्रैल में ट्रैवल करेंगे और फिर वापस आने के बाद सुहाना के साथ अपनी आगामी फिल्म पर काम करना शुरू करेंगे।

सौम्या मिश्रा ने पीयूष बंसल को बताया सबसे खराब शार्क, किए शॉकिंग कमेंट्स

नई दिल्ली। 'शार्क टैंक इंडिया 3 की एक पिचर ने पीयूष बंसल को खरीखोटी सुनाई है। दरअसल, 'शार्क टैंक इंडिया' के तीसरे सीजन में जब सौम्या मिश्रा पिच करने आई थीं तब उनकी अनुपम मित्तल से बहस हो गई थी। वह टूट गई थीं और रोने लगी थीं। ऐसे में पीयूष ने उन्हें संभाला और समझाया। जहां एक तरफ सोशल मीडिया पर पीयूष के बर्ताव की तारीफ हो रही है। वहीं दूसरी तरफ सौम्या मिश्रा, पीयूष को 'सबसे खराब' शार्क बता रही हैं।

क्या बोलीं सौम्या? सौम्या ने एक इंटरव्यू में कहा, जब मैं उन्हें कुछ समझाने की कोशिश कर रही थी तब वे लोग मेरे शब्दों को पकड़ ले रहे थे और मुझ पर निशाना साध रहे थे। पीयूष ने 'लड़की' शब्द का इस्तेमाल किया। मैं आपको बता दूं मैंने ऐसा कभी नहीं कहा। आप एपिसोड देख सकते हैं। मैंने बस इतना कहा था कि 'क्लाइंट को लगता है जो भी लड़की मेरी थेरेपी करे वो ट्रेन्ड हो। मैंने हमेशा अपने थेरेपिस्ट को थेरेपिस्ट के रूप में देखा।

पीयूष पर भड़कीं सौम्या ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, एपिसोड देखने के बाद ऐसा लगता है कि वाह पीयूष तो बहुत अच्छे इंसान हैं। लेकिन, वह सबसे बुरे शार्क हैं। जब मैंने अपनी बात रखी और उन्होंने देखा कि मैं पूरी तरह टूट चुकी हूं तो वो बस अपनी छवि सुधारने के लिए मेरे पास आए और कहने लगे, 'मैं तो आपको फीडबैक दे रहा था'। सौम्या ने यह भी स्पष्ट किया कि शो में उनका इरादा कभी भी किसी को नीचा दिखाने का नहीं था।

सलमान, शाहरुख व रणवीर सिंह फिर पहुंचे जामनगर

मुंबई अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री-वेडिंग सेरेमनी पिछले कुछ दिनों से शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है। गुजरात के जामनगर में 1 से 3 मार्च के बीच अंबानी परिवार ने अनंत-राधिका की प्री-वेडिंग के लिए भव्य कार्यक्रम आयोजित किए थे। इस कार्यक्रम में बॉलीवुड, राजनीति से लेकर क्रिकेट जगत तक के तमाम दिग्गज मौजूद थे। समारोह के बाद सभी हस्तियां दोबारा मुंबई के लिए रवाना हो गईं लेकिन 6 मार्च की शाम शाहरुख, सलमान खान और अन्य बॉलीवुड सितारे एक बार फिर जामनगर में दिखे। सामने आया है कि अंबानी का प्री-वेडिंग प्रोग्राम अभी खत्म नहीं हुआ है क्योंकि बॉलीवुड के यह बड़े कलाकार एक बार फिर जामनगर पहुंच गए गए हैं। शाहरुख खान, सलमान खान, जान्हवी कपूर, ओरी, शिखर पहाड़िया, अरिजीत सिंह और उनकी पत्नी के अलावा अन्य बॉलीवुड हस्तियों को 6 मार्च बुधवार की शाम को जामनगर हवाई अड्डे पर देखा गया। यह सभी एक बार फिर अंबानी परिवार के संगीत कार्यक्रम के प्री-वेडिंग प्रोग्राम में शामिल हुए। यह कार्यक्रम विशेष रूप से रिलायंस के कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए आयोजित किया गया था। जैसे ही शाहरुख खान स्टेज पर आए प्री-वेडिंग में जश्न का माहौल हो गया। अंबानी परिवार ने किंग खान का घर के सदस्य के रूप में स्वागत किया। इसके अलावा सलमान अपने पुराने गाने पर थिरकते नजर आए तो वहीं रणवीर सिंह 'मल्हारीज' गाने पर थिरकते नजर आए। इसके वीडियो वायरल हो रहे हैं।

शाहरुख खान ने कार्यक्रम में दर्शकों से गुजराती में बातचीत की। किंग खान का मोहब्बतें के डायलॉग को गुजराती में रीक्रिएट करने का वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

संजय लीला भंसाली ने लॉन्च किया 'भंसाली म्यूजिक'

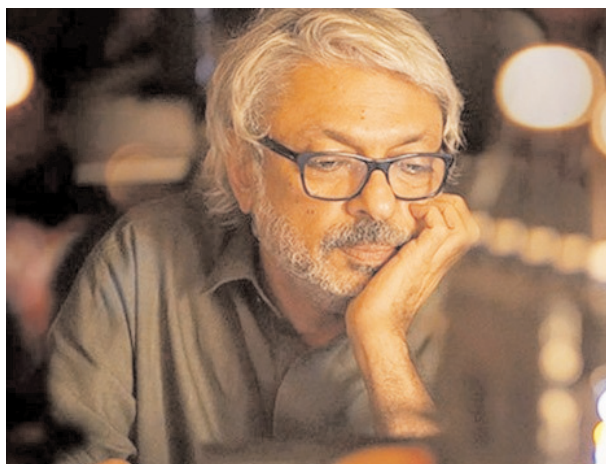

मुंबई ! सिनेमेटिक मास्टरपीस के रूप में फिल्मों को बनाने के लिए मशहूर निर्माता निर्देशक संजय लीला भंसाली ने अब अपना म्यूजिक लेबल भंसाली म्यूजिक लॉन्च किया है। भारतीय सिनेमा में संजय लीला भंसाली का नाम एक आकर्षक कहानी और सुंदर संगीत के साथ फिल्म बनाने के लिए जाना जाता है। अब उनके नाम से भंसाली म्यूजिक लेबल भी हो गया है, जहां वे संगीत की दुनिया में अपनी रचनात्मक शक्ति को बढ़ावा देंगे और कई काबिल संगीतकार और कलाकारों के साथ मिलकर अपनी फिल्मों को और यादगार बनाने और एल्बम्स के लिए दिल जीतने वाला संगीत बनाएंगे। माना जाता है कि संजय लीला भंसाली की फिल्में कभी असफल नहीं होती हैं और उसके पीछे की वज़ह कहानी को मजबूती देने वाला संगीत है। चाहे हम बात करें दीवानी मस्तानी के शानदार संगीत या ब्लैक की भावनात्मक धुन की। भंसाली के गाने इमोशंस से भरपूर होते हैं। भंसाली म्यूजिक के लॉन्चिंग पर संजय लीला भंसाली ने कहा कि, संगीत मुझे बहुत खुशी और शांति देता है। यह मेरे अस्तित्व का एक अभिन्न अंग है। मैं अब अपना खुद का म्यूजिक लेबल भंसाली म्यूजिक लॉन्च कर रहा हूं। मैं चाहता हूं कि दर्शक भी ऐसा ही अनुभव करें। आनंद और आध्यात्मिक जुड़ाव जो मुझे तब महसूस होता है जब मैं संगीत सुनता हूं या बनाता हूं भंसाली को बेहद खूबसूरती से क्लासिक और मॉडर्न म्यूजिक के कॉम्बिनेशन को बनाने के लिए जाना जाता है। भंसाली द्वारा बनाए गए गानों का असर हर उमर के लिस्टनर पर देखने मिलता है। चाहे वह प्राचीन महाकाव्यों की शानदारता को दिखाना हो, या फिर मॉडर्न रोमांस की भावना को दिखाना हो। भंसाली म्यूजिक के जरिए, संजय लीला भंसाली कला की व्यक्तिगत व्याख्या की सीमाएं नए रूप में स्थापित करते हुए, जनता को एक यात्रा पर बुलाते हैं, जहां संगीत सिर्फ एक अक्सेसरी नहीं बल्कि एक रूह-जगाने वाली शक्ति है।

फिल्म 'पुष्पा 2' में हुई बॉलीवुड के इस 'खलनायक' की एंट्री

मुंबई । इस साल की शुरुआत से ही फिल्म फैन्स में जिन फिल्मों के लिए एक्साइटमेंट सबसे ज्यादा है. उनमें से 'पुष्पा 2' एक है. साउथ की फिल्मों के सुपर स्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा' ने देशभर में जो माहौल बनाया उसने बॉक्स ऑफिस पर भी जमकर कमाई जुटाकर दी. अब स्टारर फिल्म 'पुष्पा' को लेकर एक नया अपडेट सामने आ रहा है. रिपोर्ट्स की मानें तो बॉलीवुड के 'खलनायक' संजय दत्त की एंट्री होने जा रही है. वहीं, उनके किरदार से जुड़े भी अपडेट लगातार सामने आ रहे हैं. दरअसल, अल्लू अर्जुन स्टारर 'पुष्पा 2' में बॉलीवुड के 'खलनायक' की एंट्री होने जा रही है. सियासत की एक रिपोर्ट बताती है कि संजय दत्त को, डायरेक्टर सुकुमार की इस फिल्म में एक रोल के लिए अप्रोच किया गया है. बता दें कुछ ही दिनों पहले ऐसी रिपोर्ट्स आई थीं कि 'पुष्पा' के डायरेक्टर सुकुमार ने, सीक्वल के लिए किसी 'ए-ईस्ट बॉलीवुड एक्टर को कास्ट करने का फैसला किया है.' अब संजय के इस फिल्म में काम करने की खबर का सामने आना फैन्स के लिए एक एक्साइटिंग डेवलपमेंट है. बता दें कि संजय का किरदार 'पुष्पा 2' में कैसा होने वाला है. बताया जा रहा है कि वो फिल्म में एक बड़े 'प्रभावशाली व्यक्ति' का किरदार निभाने वाले हैं. उनका किरदार कहानी के प्लॉट में एक एक्स्ट्रा लेयर ऐड करेगा. हालांकि ये भी बताया गया है कि संजय पूरी फिल्म में नहीं होंगे, उनका किरदार एक लंबा कैमियो होगा.इससे पहले ये भी रिपोर्ट्स आई थीं कि 'पुष्पा 2' में दमदार एक्टर मनोज बाजपेयी भी काम करने जा रहे हैं. हालांकि न्यूज 18 से बात करते हुए मनोज ने इस खबर को 'गलत' बताया था. रॉकिंग स्टार यश की 'चतस्र चैप्टर 2' के बाद से ही संजय दत्त की डिमांड काफी ज्यादा है. अब ये देखना दिलचस्प होगा कि 'पुष्पा 2' में संजय का किरदार नेगेटिव शेड्स के साथ आता है या नहीं.

मप्र में फिल्म आर्टिकल 370 टैक्स फ्री... मुख्यमंत्री ने लोगों से की देखने की अपील

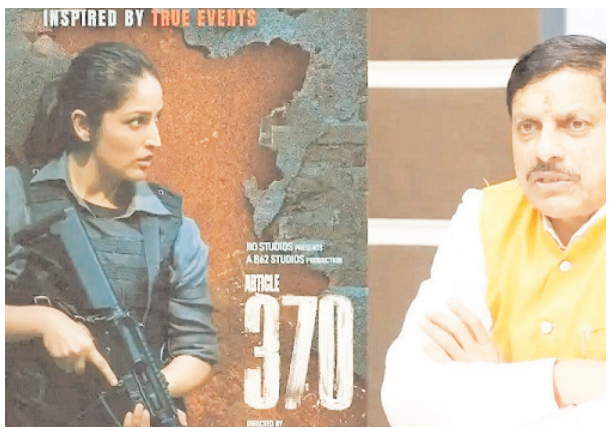

भोपाल । मध्य प्रदेश सरकार ने फिल्म आर्टिकल 370 को मध्यप्रदेश में टैक्स फ्री कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव) ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि प्रदेश के नागरिक आर्टिकल 370 की कड़वी हकीकत को जान सकें, इसके लिए हमनें फिल्म आर्टिकल 370 को मध्यप्रदेश में टैक्स फ्री करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 के कलंक को हटा कर जम्मू-कश्मीर में विकास की अपार संभावनाओं के द्वार खोले हैं। यह फिल्म जम्मू-कश्मीर की पहले और अब की परिस्थितियों को करीब से समझने का अवसर देती है। उन्होंने प्रदेश की जनता से यह अपील भी कि वे फिल्म देखें। **इंदौर में सीएम से किया था फिल्म को टैक्स फ्री करने का अनुरोध** दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ यादव गुरुवार शाम को इंदौर प्रवास पर पहुंचे थे। भाजपा जिलाध्यक्ष चिंटू वर्मा ने बताया कि गुरुवार को इंदौर विमानतल पर मुख्यमंत्री से इस फिल्म को टैक्स फ्री करने का आग्रह किया गया था। मुख्यमंत्री ने इस पर सहमति जताते हुए तुरंत अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दे दिए थे।

कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने पर बनी फिल्म कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने पर बनी फिल्म 'आर्टिकल 370' में यामी गौतम का एक्शन अवतार काफी पसंद किया जा रहा है। फिल्म में कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने से पहले और उसके बाद के दौर को दिखाया गया है। फिल्म का निर्देशन आदित्य जंभाले ने किया है। फिल्म में यामी गौतम मुख्य भूमिका में हैं, जबकि अरुण गोविल प्रधानमंत्री की भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही प्रियामणि, वैभव तत्ववादी, किरण करमाकर और राज जुत्शी सपोर्टिंग रोल में नजर आ रहे हैं।

बिना बिल का सोना दो हजार सस्ता

बढ़ रही तस्करी के सोने की मांग

देवी अहिल्याबाई होलकर विमानतल पर सोने की तस्करी पकड़ने की मामले आम होते जा रहे हैं। चार महीनों में ही कस्टम की एयर इंटेलीजेंस यूनिट इंदौर एयरपोर्ट से करीब साढ़े तीन किलो सोना बरामद कर चुकी है। न केवल विदेश में भारत के मुकाबले सोने के कम दाम बल्कि देश में उस पर लगने वाला भारी कर भी तस्करी को बल दे रहा है। इंदौर के बाजार में ही बिना टैक्स के सोना दो हजार रुपये सस्ता मिल रहा है। बाजार का यह चलन बढ़ती तस्करी की गवाही भी दे रहा है।बुधवार को इंदौर में टैक्स पेड यानी आरटीजीएस में सोना (24 कैरेट) 66 हजार 300 रुपये के दाम पर बिका। जबकि बिना बिल के यही सोना 64 हजार 325 रुपये प्रति दस ग्राम पर बिक रहा था। यानी एक ही बाजार में सोना करीब दो हजार रुपये सस्ता खरीदा जा सकती है। जनवरी में सरकार ने सोने पर आयात शुल्क (कस्टम ड्युटी) और बढ़ा दी है। इससे तस्करों का धंधा ज्यादा मुनाफे का बन गया है।

22 जनवरी से पहले सोने के आयात पर ड्यूटी 10 प्रतिशत थी। इसे बढ़ाकर अब 15 प्रतिशत कर दिया गया है। इतना ही नहीं घरेलू मार्केट में सोने पर 3 प्रतिशत जीएसटी भी लगता है। इसके अलावा गहनों की बनवाई पर अलग से 5 प्रतिशत जीएसटी देना होता है। भारी टैक्स के कारण पहले से महंगा सोना खरीदारों को और महंगा पड़ता है। अरब देशों में सोने के प्रति दस ग्राम दाम भारत से कम से कम 5 हजार रुपये कम है।बुधवार को इंदौर में टैक्स पेड यानी आरटीजीएस में सोना (24 कैरेट) 66 हजार 300 रुपये के दाम पर बिका। जबकि बिना बिल के यही सोना 64 हजार 325 रुपये प्रति दस ग्राम पर बिक रहा था। यानी एक ही बाजार में सोना करीब दो हजार रुपये सस्ता खरीदा जा सकती है। जनवरी में सरकार ने सोने पर आयात शुल्क (कस्टम ड्युटी) और बढ़ा दी है। इससे तस्करों का धंधा ज्यादा मुनाफे का बन गया है।

22 जनवरी से पहले सोने के आयात पर ड्यूटी 10 प्रतिशत थी। इसे बढ़ाकर अब 15 प्रतिशत कर दिया गया है। इतना ही नहीं घरेलू मार्केट में सोने पर 3 प्रतिशत जीएसटी भी लगता है। इसके अलावा गहनों की बनवाई पर अलग से 5 प्रतिशत जीएसटी देना होता है। भारी टैक्स के कारण पहले से महंगा सोना खरीदारों को और महंगा पड़ता है। अरब देशों में सोने के प्रति दस ग्राम दाम भारत से कम से कम 5 हजार रुपये कम है।

कटाई में देरी और अंतिम स्टाक घटने से हल्दी के दामों में तेजी

इंदौर। हल्दी की नई फसल की कटाई में देरी और अंतिम स्टाक कम होने से पिछले दिनों हल्दी की कीमतों में आई भारी गिरावट पुन: मजूबती की ओर अग्रसर है। निकट अवधि में हल्दी के लिए बाजार की धारणा सकारात्मक रहने की उम्मीद है। निर्यात गतिविधियां, जो हाल के महीनों में धीमी हो गई थीं, त्योहारों की श्रृंखला के साथ बढ़ने की उम्मीद है। अनुकूल मौसम के कारण फसल की स्थिति में सुधार के दबाव के बावजूद, नई फसल की कटाई में देरी और कम स्टाक से हल्दी की कीमतों को समर्थन मिलने की संभावना है।महाराष्ट्र में इस साल विभिन्न क्षेत्रों में हल्दी की बोवनी में 20-25 प्रतिशत की गिरावट की आशंका है। दिसंबर 2023 में हल्दी के निर्यात में नवंबर 2023 की तुलना में 21.47 फीसद की वृद्धि देखी गई, लेकिन दिसंबर 2022 की तुलना में 13.41 फीसद की गिरावट देखी गई। निज़ामाबाद के प्रमुख हाजिर बाजार में हल्दी की कीमत घटकर 15519.15 रुपये पर बंद हुई। इंदौर में भी हल्दी की पर्याप्त आवक नहीं होने और मांग का दबाव धीरे-धीरे बढ़ने के कारण कीमतों में तेजी आने लगी है। पिछले एक सप्ताह में हल्दी के दाम करीब 5-10 रुपये प्रति किलो तक उछल गए है। आगे भी मांग बढ़ने पर कीमतों में मजबूती के संकेत है। खोपरा गोला और खोपरा बूरा की आवक भी जैसी होना चाहिए वैसी नहीं होने से भाव मजबूती पर टिके हुए। नारियल में कारोबार सामान्य रहा। भाव में स्थिरता रही। नारियल की आवक दो गाड़ी की रही। नारियल 120 भरती 1450-1550, 160 भरती 1450-1550, 200 भरती 1550-1600, 250 भरती 1650-1700 रुपये प्रति बोरी के भाव रहे। खोपरा गोला बक्सा 120-140 कट्टे 107-110 रुपये प्रति किलो और खोपरा बूरा 2400-4450 रुपये प्रति (15 किलो) के भाव रहे। शकर में सीमित पूछपरख रहने से भाव मजबूत बोले गए। शकर नीचे में 3710 तथा ऊपर में 3780 रुपये प्रति क्विंटल तक बोली गई। शकर की आवक सात गाड़ी की बताई गई।

शकर-गुड़ के दाम - शकर 3710-3780, एम-शकर 3790-3820, गुड करेली कटोरा 3700-3800, लड्डू 3900-4000, गिलास एक किलो 4600-4800, भैली 3500-3600 रुपये क्विंटल। नारियल - नारियल 120 भरती 1450-1550, 160 भरती 1450-1550, 200 भरती 1550-1600, 250 भरती 1650-1700 रुपये प्रति बोरी और खोपरा गोला बक्सा 120-140, कट्टे 107-110 रुपये प्रति किलो और खोपरा बूरा 2400-4450 प्रति 15 किलो।

फलाहारी के दाम - सच्चामोती एगमार्क साबूदाना (1 किलो) 7420, सच्चासाबू एगमार्क (500 ग्राम) 7520, सच्चासाबू एगमार्क फूलदाना (नायलान) (500 ग्राम) 8240, सच्चासाबू एगमार्क चीनीदाना (500 ग्राम) 7940, गोपाल साबूदाना लूज (25 किलो) 6910,अल्पहार/ कुकरीजाकी भगर मोरधन (500 ग्राम) 9940 प्रति क्विंटल। रायल रतन साबूदाना (1 किलो) 7300, रायलरतन (500 ग्राम) 7360 व रायलरतन लूज 6800, रायल सच्चामोती पोहा एक किलो 5450 व 35 किलो पैकिंग में 4800, रायलरतन मोरधन (आधा किलो) 10500 रुपये।

पूजन सामग्री - केसर 180-188 ब्रांडेड 210-213, देशी कपूर 550 से 750, ब्रांडेड कपूर 750 से 800, पूजा बादाम 110 से 125, बेस्ट 175 से 190, पूजा सुपारी 475, अरीठा 130, सिंदूर (25 किलो) 7400 रुपये।

मसालों के दाम - हल्दी निजामाबाद 1750 से 200, हल्दी लालगाय 260-265 कालीमिर्च गारबल 555 से 565 एटम 575 से 580, मटरदाना 590 से 625, जीरा ऊंझा 340 से 350, मीडियम 380 से 390 बेस्ट 410 से 425 सौंफ मोटी 95 से 125, मीडियम 175 से 225, बेस्ट 355 से 375, बारीक 350-400 , लौंग मीडियम 850 से 900, बेस्ट 950-965 सौंठ 295 से 325 बेस्ट 375 से 400, दालचीनी 245-255, जायफल 580-650, बेस्ट 700 जावत्री 1900-1950, बड़ी इलायची 1350 से 1400 बेस्ट 1450 से 1560, पत्थरफूल 351 से 375, बेस्ट 475, बाद्यान फूल 550 से 575, बेस्ट 750-775 शाहजीरा खर 350 से 360, ग्रीन 600-611, तेजपान 91-101, नागकेसर 750 से 775, धोली मूसली 2100 से 2250, सिंघाड़ा छोटा 90-105 बड़ा 115 हींग वनदेवी दाना751- 3450, पाउच में 10 ग्राम 3530, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3330, 111-50 ग्राम 3050, पाउच में 10 ग्राम 3130, पावडर 875-925 , हरी इलायची 1850-1950 मीडियम बोल्ड 2050 से 2150 बोल्ड 2250-2400 बेस्ट ए बोल्ड 2450-2650 और सफेद तिल्ली 178-195 बेस्ट 200-220 रुपये।

सूखे मेवों के दाम - काजू डब्ल्यू 240 नंबर 760-800, काजू डब्ल्यू 320 नंबर 680 से 700, काजू डब्ल्यू 300 नंबर 670-680, काजू जेएच 590-600 टुकड़ी 530-550, बादाम 550-570 बेस्ट 640-660 आस्ट्रेलियन बादाम बेस्ट 625-750 खसखस मीडियम 650-725 बेस्ट 1125-1225 तरबूज मगज 750-760 खारक 115-135 मीडियम 145 से 175 बेस्ट 225 से 250 ए. बेस्ट 301 किशमिश कंधारी 420 से 470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140 से 150 बेस्ट 170 से 190 , चारोली 1485 से 1550, बेस्ट 1600 मुनक्का 450 से 550 बेस्ट 650 से 900, अंजीर 750 से 900 बेस्ट 1150 से 1450 मखाना 650 से 785, मीडियम 825 से 875 बेस्ट 900-925, पिस्ता 1300-1450 ईरानी 1500-1600, नमकीन पिस्ता 850-1000 अखरोट 450 से 500, बेस्ट 550 से 650, अखरोट गिरी 700 से 1050 जर्दालू 250 से 350, बेस्ट 450 से 550 गोंद नाइजीरिया 180-250, गोंद धावड़ा 400-700 रुपये।

सोना 64600 रुपये के नए शिखर पर, चांदी 500 रुपये उछली

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में लगातार सातवें दिन सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। सोना नए शिखर पर पहुंच गया। कामेक्स पर सोना वायदा 30 डालर बढ़कर 2161 डॉलर प्रति औंस और चांदी 50 सेंट बढ़कर 24.27 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इंदौर में सोना पिछले सारे रिकॉर्ड को तोड़ता हुआ सोना कैडबरी 64600 और आरटीजीएस में सोना 66825 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। गुरुवार को चांदी भी 500 रुपये बढ़कर 73200 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई।

दरअसल, कमजोर अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पावेल के संकेतों से धारणा बन रही है कि मुद्रास्फीति कम होने पर ब्याज दर में कटौती हो सकती है। पॉवेल की टिप्पणियों और डेटा के संयोजन से सोने में निवेश को और बल मिला। अमेरिकी ट्रेजरी की पैदावार और डॉलर में गिरावट आई, जिसके कारण सोने को और अधिक आकर्षक बना दिया गया। कमजोर डॉलर, सतर्क फेड बयान और मिश्रित श्रम बाजार डेटा का संयोजन चांदी बाजार में सकारात्मक गति में योगदान देता है। कामेक्स सोना ऊपर में 2161 तथा नीचे में 2144 डालर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 24.27 व नीचे में 24.00 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई।

इंदौर में सोना-चांदी के बंद भाव- सोना कैडबरी रवा नकद में 64600 रुपये, सोना (आरटीजीएस) 66825 रुपये तथा सोना (91.60 कैरेट) 61210 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। बुधवार को सोना 64325 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी चौरसा 73200 रुपये, चांदी टंच 73400 रुपये तथा चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 74000 रुपये प्रति किलो बोली गई। बुधवार को चांदी 72700 रुपये पर बंद हुई थी।

इंडोनेशिया से जारी वर्ष में पाम तेल निर्यात घटने का अनुमान, सोया तेल 10 रुपये बढ़ा

इंदौर। चालू वर्ष (2024) के दौरान इंडोनेशिया से पाम तेल उत्पादों का निर्यात पिछले साल से सात-आठ लाख टन कम होने की संभावना है। इंडोनेशियन पाम ऑइल एसोसिएशन (गापकी) के अनुसार वर्ष 2024 में पाम तेल का निर्यात घटकर 295 लाख टन पर सिमट जाने का अनुमान है। गापकी के मुताबिक, समीक्षाधीन अवधि के दौरान पाम तेल के घरेलू उत्पादन 26 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 544 लाख टन के शीर्ष स्तर पर पहुंचने के आसार हैं, जबकि वर्ष 2024 के अंत में वहां पाम तेल उत्पादों का कुल बकाया अधिशेष स्टॉक 52.50 लाख टन रहने का अनुमान है।उल्लेखनीय है कि इंडोनेशिया दुनिया में पाम तेल का सबसे प्रमुख उत्पादक एवं निर्यातक देश है। वर्ष 2023 में अलनीनो मौसम चक्र के प्रकोप से पाम बागानों में उत्पादन की रफ़्तार कुछ प्रभावित होने की आशंका व्यक्त की जा रही थी मगर अभी तक इसका कोई स्पष्ट संकेत सामने नहीं आया है। उत्पादन बढ़ने एवं निर्यात घटने पर पाम तेल के आदिशेष स्टॉक में जोरदार इजाफा हो सकता था लेकिन वहां बायो डीजल निर्माण से पाम तेल का उपयोग बढ़ने की संभावना है। इसलिए स्टॉक में अपेक्षाकृत कम बढ़ोत्तरी होगी।

खेल

मुम्बई इंडियंस ने यूपी वॉरियर्स को 42 रनों के बड़े अंतर से हराया

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2024 2024) का 14वां मैच मुम्बई इंडियंस और यूपी वॉरियर्स के बीच खेला गया। मैच में मुम्बई ने यूपी वॉरियर्स को 42 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मुम्बई इंडियंस ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 160 रन बनाए। जवाब में यूपी की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर सिर्फ 118 रन ही बना सकी। 161 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूपी वॉरियर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम के कुल 15 रन पर ही तीन विकेट गिर गए। कप्तान एलिसा हेली 3 रन, किरण नवगिरे 7 रन और चमारी अटापट्टू 3 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। टीम का चौथा विकेट ग्रेस हैरिस के रूप में गिरा। हैरिस ने 15 रन बनाए। टीम के लिए ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने जरूर बल्ले से अच्छी पारी खेली और छह चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 53 रन बनाए। दीप्ति के अलावा अन्य कोई बल्लेबाज रन नहीं बना सका। श्वेता सहरावत ने 17 रन, उमा क्षेत्री ने आठ रन, पूनम खेमनार ने 7 रन का योगदान दिया। टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर केवल 118 रन ही बना सकी।

मुंबई के लिए साइका इशाक ने तीन विकेट झटके, जबकि नैट साइवर ब्रंट को दो विकेट मिले। शबनिम इस्माइल, हेली मैथ्यूज, पूजा वस्त्रकार और सजीवन सजना को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 160 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन नैट साइवर ब्रंट ने बनाए। ब्रंट ने 31 गेंदों में 8 चौकों की मदद से 45 रन बनाए। ब्रंट के अलावा अमेलिया कर ने 39 रन, कप्तान हरमनप्रीत कौर 33 रन और सजीवन सजना ने नाबाद 22 रन बनाए।

यूपी के लिए चमारी अटापट्टू ने दो विकेट लिए, जबकि राजेश्वरी गायकवाड़, दीप्ति शर्मा और साइमा ठाकुर के खाते में एक-एक विकेट आया।

अंक तालिका में मुंबई पहुंची दूसरे नंबर में

मुंबई इंडियंस की टीम इस मैच में जीत के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। टीम के 6 मैचों में 4 जीत और 2 हार के साथ आठ अंक हैं। वहीं यूपी वॉरियर्स चार अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। टीम के 6 मैचों में 2 जीत और चार हार के साथ 4 अंक हैं। अंक तालिका में दिल्ली कैपिटल्स की टीम पहले स्थान पर है। दिल्ली के 5 मैचों में 4 जीत के साथ 8 अंक हैं। आरसीबी की टीम अंक तालिका में 6 मैचों में 3 जीत के साथ तीसरे स्थान पर है। गुजरात जायंट्स एक जीत के साथ अंक तालिका में आखिरी स्थान पर है।

महिलाओं में इन चार बीमारियों का जोखिम होता है अधिक, इनमें से दो हो सकती हैं जानलेवा

तमाम मीडिया रिपोर्ट्स भारतीय महिलाओं में स्वास्थ्य देखभाल की महत्वपूर्ण चुनौतियों को लेकर अलर्ट करते रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, भारतीय महिलाओं में कई प्रकार की बीमारियों का खतरा देखा जाता रहा है। लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी को इनका प्रमुख कारक माना जाता रहा है। कई रिपोर्ट्स बताते हैं, खासकर ग्रामीण भारतीय महिलाओं को आहार से शरीर के लिए जरूरी पर्याप्त पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं, जो उनमें कुपोषण और एनीमिया के जोखिमों को बढ़ाने वाली हो सकती है। हर साल 8 मार्च को महिला अधिकारों, समानता और महिलाओं के खिलाफ हिंसा-दुर्व्यवहार जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने, महिलाओं के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया, भारतीय महिलाओं में कुछ बीमारियों का जोखिम अधिक हो सकता है, जिनको लेकर कम उम्र से ही अलर्ट रहना और बचाव करते रहना जरूरी हो जाता है। हृदय रोग, दुनियाभर में मृत्यु के प्रमुख कारकों में से एक है, भारतीय महिलाओं में भी इसका जोखिम देखा जाता रहा है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि हृदय रोग पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अलग तरह से भी प्रभावित करते हैं। महिलाओं में गर्भावस्था और रजोनिवृत्ति के दौरान होने वाले हार्मोनल बदलाव के कारण हृदय स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इसके अलावा, गर्भकालीन मधुमेह और गर्भावस्था की अन्य जटिलताएं भी बाद में हृदय संबंधी समस्याओं के जोखिम को बढ़ा सकती हैं।महिलाओं में पोषण की कमी और लाइफस्टाइल से संबंधित समस्याओं के कारण हड्डियों से संबंधित दिक्कतें भी बढ़ती हुई देखी जा रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में कम उम्र की महिलाएं भी हड्डियों में दर्द और कमजोरी की शिकार देखी जा रही हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं महिलाओं में पुरुषों की तुलना में हड्डियों के घनत्व में तेजी से कमी आने की जोखिम रहता है। विशेषतौर पर मेनोपॉज के बाद एस्ट्रोजन के स्तर में कमी के कारण हड्डियों में पतलापन, इसकी संरचना की दिक्कत और ऑस्टियोपोरोसिस का जोखिम काफी बढ़ जाता है। ऑस्टियोपोरोसिस से हड्डियों में फ्रैक्चर होने और गंभीर जोड़ों के दर्द का खतरा भी बढ़ सकता है।यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन (यूटीआई) भी महिलाओं की सेहत के लिए बड़ी चुनौती रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, 90 फीसदी महिलाओं को कभी न कभी यूटीआई होने का खतरा रहता है। बैक्टीरियल संक्रमण को यूटीआई का सबसे आम कारण माना जाता है। महिलाओं की शारीरिक संरचना उन्हें यूटीआई से संक्रमित होने के लिए और जोखिम कारक बनी देती है। यूटीआई पर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो इससे किडनी में क्षति का भी जोखिम रहता है।स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया, भारतीय महिलाओं में ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर के जोखिम अधिक देखे जाते रहे हैं। सर्वाइकल कैंसर, सर्विक्स में होने वाला कैंसर है जो मृत्यु के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती है। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीनेशन को बढ़ावा दिया जा रहा है, ये टीके इस कैंसर के कारक एचपीवी वायरस के प्रसार और इसके कारण होने वाले जोखिमों से बचाने में मददगार हो सकते हैं।

मोहम्मद शमी को लोकसभा चुनाव में टिकट दे सकती है बीजेपी, पश्चिम बंगाल की इस सीट से उतारने की चर्चा

नई दिल्ली । आगामी लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान जल्द हो सकता है। अप्रैल-मई में वोट डाले जा सकते हैं। उससे पहले चुनाव लड़ने वाले दल उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर रहे हैं। पिछले दिनों बीजेपी ने 195 उम्मीदवारों की अपनी पहली लिस्ट भी जारी कर दी। अब आगे के नामों पर चर्चा चल रही है। इस बीच, बीजेपी ने टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी से संपर्क किया है। शमी को लोकसभा चुनाव में बीजेपी टिकट दे सकती है।एक रिपोर्ट के अनुसार, मोहम्मद शमी को बीजेपी चुनाव में उतारने के बारे में सोच रही है। इसके लिए उनसे संपर्क भी किया जा चुका है। हालांकि, शमी ने अब तक आखिरी फैसला नहीं लिया है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि मोहम्मद शमी से बातचीत के दौरान उन्हें पश्चिम बंगाल से चुनाव लड़ने के लिए कहा गया। बीजेपी शमी को बंगाल की बशीरहाट लोकसभा सीट से उतारना चाहती है। अभी इस सीट से तृणमूल कांग्रेस की नुसरत जहां सांसद हैं और इसी संसदीय सीट के अंतर्गत संदेशखाली का इलाका भी आता है। यह वही संदेशखाली है, जहां पर हाल ही में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पूर्व टीएमसी नेता शाहजहां शेख समेत अन्य पर उत्पीड़न का आरोप लगाया था। कई दिनों तक विरोध प्रदर्शन के बाद आखिरकार हाल ही में शाहजहां को गिरफ्तार कर सीबीआई को सौंपा गया है।

मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई मैहर में विशेष बैठक

जिले की अन्य तहसीलों में भी जारी करे दौराः प्रदेशाध्यक्ष

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ

मैहर, मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा जिला इकाई मैहर का घोषणा पत्र जारी होते ही प्रदेश अध्यक्ष सलभ भदोरिया के निर्देशन में मैहर के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष मनोज मिश्रा ने मैहर कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियो की एक आवश्यक बैठक ली। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार जिले के अन्य सभी तहसीलों में एक विशेष दौरा करने की योजना के साथ एक विशेष टीम तैयार की गई। जिसमें जिले के अन्य सभी तहसीलों में अपने सभी साथियों से संपर्क स्थापित कर। तहसील स्तरीय बैठक लेने का समय निश्चित किया गया। आज की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष मनोज मिश्रा एवं

सभी पदाधिकारी ने मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के लिए संपूर्ण मैहर जिले में कार्यकारिणी की मजबूती एवं एकता के लिए दृढ़ संकल्प होकर कार्य करने का निश्चय किया। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियो में से मनोज मिश्रा जिला अध्यक्ष, सुनील दाहिया जिला उपाध्यक्ष, श्रीनिवास मिश्रा कोषाध्यक्ष, मनोज गौतम सचिव, सत्य प्रकाश कुशवाहा सह सचिव, उमेश चर्मकार कार्यकारी सदस्य सहित अन्य सदस्यों की उपस्थिति सराहनीय रही।

कलेक्टर ने किया बड़वानी के विकासखण्ड राजपुर का दौरा

सीएम राइज स्कूल का किया निरीक्षण

अशोक राठौर। सिटी चीफ

बड़वानी, कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने बुधवार को विकासखण्ड राजपुर का दौरा किया। इस दौरान उन्होने सर्वप्रथम राजपुर में निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने निर्माण ऐजेंसी के पदाधिकारियों से नक्शे के माध्यम से जाना कि कहां पर कौन सा भवन बन रहा है। उन्होने निर्माण ऐजेंसी के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य का गुणवत्तायुक्त एवं समय सीमा में पूर्ण हो, किसी भी स्थिति में क्वालिटी के साथ समझौता नही किया जाये। साथ ही भवन की बेहतर तराई भी की जाये, जिससे की भवन मजबूती के साथ बनकर तैयार हो। इस दौरान उन्होने यह भी निर्देशित किया कि स्कूल में पानी की व्यवस्था के लिए जल निगम की लाईन को भी जोड़ा जाये। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा कक्षा केजी से लेकर 12 तक की शिक्षा एक ही जगह पर देने के लिए सीएम राईज स्कूल जिले के विकासखण्ड मुख्यालयों में बनाये जा रहे है, जिससे कि बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राजपुर का किया निरीक्षण– कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने अपने दौरे के दौरान सामुदायिक

स्वास्थ्य केन्द्र राजपुर का निरीक्षण कर अस्पताल में मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं के पंजीयन रजिस्टर, ओपीडी, दवाई वितरण कक्ष, पैथोलाजी, एक्सरे कक्ष, भर्ती कक्ष, प्रसव कक्ष का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने लेब टेक्निशियन से यह जाना कि अस्पताल में कितने प्रकार की जांच की जाती है। साथ ही यह भी निर्देशित किया कि गर्भवती महिलाओं के सभी जरूरी टेस्ट अनिवार्य रूप से किये जाये। विशेष रूप से सिकलसेल एनीमिया, एचआईवी एवं थायराइड टेस्ट किया जाये। अगर गर्भवती महिला का कोई टेस्ट पाजिटिव आता है तो उसकी काउंसलिंग करते हुए उसे गर्भावस्था में क्या-क्या सावधानियां रखना है, इस बारे में तथा बीमारी के उपचार के बारे में विस्तार से बताये।

राजस्व महाअभियान का किया निरीक्षण – कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग अपने दौरे के दौरान ग्राम ओझर पहुंचकर राजस्व महाअभियान के तहत किये जाने वाले कार्यो का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने पटवारी से अपने समक्ष हितग्राही का समग्र ईकेवायसी करवाया एवं बी 1 वाचन के पश्चात् कितने फौती नामांतरण पाये गये है, इसकी जानकारी भी प्राप्त की। साथ ही ग्राम के सचिव को निर्देशित किया कि वे शिविर लगाकर ग्रामीणों के समग्र ईकेवायसी के कार्य को पूर्ण करे।

आयुष मेगा शिविर में पहुंचे कलेक्टर – निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ओझर नगर में आयुष विभाग द्वारा लगाये गये आयुष मेगा स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे। इस दौरान कलेक्टर ने शिविर में किन बीमारियों के मरीज आये है, तथा उन्हे कौन-कौन सी औषधियां दी जाती है इसके बारे में जानकारी प्राप्त की।

एसडीएम से प्राप्त की राजस्व महाअभियान की जानकारी –कलेक्टर अपने दौरे के दौरान एसडीएम कार्यालय राजपुर पहुंचे जहां पर उन्होने एसडीएम श्री जितेन्द्र पटेल से राजस्व महाअभियान की प्रगति सहित राजस्व विभाग की अन्य योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। साथ ही राजस्व न्यायालय में चल रहे प्रकरणों के बारे में जानकारी ली।

सीएम राईज स्कूल पाटी का भूमिपूजन

राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी, लोकसभा सांसद श्री गजेन्द्रसिंह पटेल ने करा भूमिपूजन

अशोक राठौर। सिटी चीफ

बड़वानी, राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी, लोकसभा सांसद श्री गजेन्द्रसिंह पटेल ने गुरूवार को पाटी में 34.24 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सीएम राइज स्कूल का भूमिपूजन किया। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा विगत वर्ष प्रदेश भर में शिक्षा व्यवस्था में सुधार करते हुए प्रत्येक जिले में सीएम राईज स्कूल खोलने की घोषणा की जाकर स्कूल प्रारंभ भी किए गए। अब उसकी अगली कड़ी में नवीन स्कूल भवनो का भी निर्माण किया जाना प्रस्तावित होकर बजट में राशि का आवंटन कर ज़िले के चिन्हित स्थानों पर सीएम राईज स्कूलों के भवनों के निर्माण किया जा रहा है।

साथ ही सांसद द्वारा ग्राम भीलखेड़ा में 10 लाख रुपये की राशि से निर्मित होने वाले सामुदायिक भवन, कुकरा बसाहट (राजघाट)में 10 लाख रुपये की राशि से निर्मित होने वाले सामुदायिक भवन, बड़गाँव

(रेवेन्यु) में 10 लाख रुपये की राशि से निर्मित होने वाले सामुदायिक भवन, बंधान में 10 लाख रुपये की राशि से निर्मित होने वाले सामुदायिक भवन, ग्राम आमल्यापानी में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। ग्राम बड़वानी खुर्द में 10 लाख रुपये से निर्मित होने वाले सामुदायिक भवन का भूमिपूजन, बोम्या में 10 लाख रुपये से निर्मित होने वाले सामुदायिक भवन का भूमिपूजन, पाल्या में 10 लाख रुपये से निर्मित होने वाले सामुदायिक भवन का भूमिपूजन, ग्राम सोंदूल के अवल्दा राम मंदिर के पास 5 लाख रुपये की राशि से निर्मित होने वाले सामुदायिक भवन के निर्माण का भूमिपूजन तथा भवती में 10 लाख रुपये से निर्मित होने वाले सामुदायिक भवन का भूमिपूजन व ग्राम अँजराडा पाटी विकासखंड में 10 लाख रुपये से निर्मित होने वाले नर्मदा परिक्रमा वासीओ के लिए बनने वाले भवन का भूमिपूजन किया।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद डॉ सुमेरसिंह सोलंकी, जिला पंचायत सदस्य बरमा सोलंकी, जनपद पंचायत पाटी उपाध्यक्ष श्री रणजीत सिंह वास्कले, जनप्रतिनिधिगण श्री मनीष भावसार, श्री विजय वास्कले, दिलु मालवीय, संतोष पाटीदार, जितेंद्र सोनी, शैलेंद्र परमार, विनोद पाटिल उपस्थित रहे।

चलती ट्रेन में हुई चोरी आरपीएफ ने किया बेनकाब

तो कोतवाली पुलिस बनी क्यों बनी चोरों की रहनुमा.....

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ

शहडोल, लगातार टूटता शहर में चटकते ताले, लूट खसोट की घटनाक्रम की पुनरावृत्ति बताती है पुलिस प्रशासन का खौफ, दहशत अपराधियों से जाता रहा जिसका मात्र दो कारण हो सकता है या तो शहडोल की कप्तानी में निचले स्तर पर जिम्मेदार स्वार्थ सिद्धी के चक्कर में सेंध लगाते फिर रहे हैं जिससे आमजन हलाकान परेशान हैं या दूसरा कारण पुलिस कप्तान को शहडोल के आपराधिक इतिहास लादे लोगों की पहचान नही है यह बहरूपिया दिन में नेता और रात आते आते रेता, कोयला कबाड़ का रट्टा लगाते नज़र आते हैं और तो और इनके महंगे शौक़ बिना कोई आय या नौकरी के हजारों रुपए के महंगे जूते, घड़ी और गाड़ियों का काफिला संजोकर रखा हुआ है।

जानिए क्या मामला.....

गाड़ी संख्या 12853 दुर्ग-भोपाल अमरकंटक एक्सप्रेस में उसलापुर से जबलपुर तक कोच नम्बर एम-1 के बर्थ नंबर 8 में अपने परिवार के साथ यात्रा कर रही महिला यात्री शिवानी भोजवानी पति चिम्मन भोजवानी, उम्र-27 साल, निवासी-बिहारी टॉकीज पुराना हाईकोर्ट रोड बिलासपुर, का सफेद कलर का लेडीज पर्स जिसमे रखा डेढ़ तोला सोने की मंगलसूत्र एवं 2 नग कंगन, 1 सैमसंग रू1 मोबाईल, 1 रियलमी कम्पनी का मोबाईल

कीमत लगभग दो लाख आठ हजार की यात्रा के दौरान झलवारा के आसपास ट्रेन से चोरी कर आरोपी चलती ट्रेन से उतर कर भाग गया था।

इस दौरान ट्रेन के कोच में लगे सीसीटीवी कमरे में यह पूरी घटना कैद हो गई थी, इस घटना के सम्बंध में यात्री द्वारा रेल मदद में तुरंत शिकायत दर्ज कराई थी। जिस पर रेस्क्यू टास्क टीम-2 द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की खोजबीन में जुट गई। रेलवे पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा चोरी की सामग्री जब्त कर शातिर आरोपी अमरसिंह उर्फ पिंटू गोंड़ पिता खन्ना सिंह, उम्र-29 साल, निवासी-कल्याणपुर स्टेट बैंक के पास, थाना कोतवाली शहडोल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

शौकीन लखपति चोर....

दरअसल सूत्रों के हवाले से खबर है कि शहडोल में चिंदी चोरो का सरगना एजुकेशन हब कहलाते कल्याणपुर में से लेकर सत्यम विडियो चौक पुरानी बस्ती में बेहद सक्रिय हैं यह सरगना गरीब आदिवासियों और मज़लूमो की मुफलिसी को हथियार बनाकर शराब, गांजा, नशीली प्रतिबंधित दवाई की सप्लाई इत्यादि करावा कर चांदी काट तो रहा साथ साथ शहर में अब एक के बाद एक चोरी चकारी की घटनाक्रम और नकाबपोश बदमाशों की दहशत थमने का नाम नहीं ले रही है। इसके पीछे की वजह क्या है जबकि ऐसा मुमकिन नहीं की इसकी ख़बर किसी को कानों-कान नहीं, बहरहाल पुलिस अपने सिस्टम ऐसे लोगों को छूट देकर शहडोल में की आवोहवा में अशांति फैलाने चाहती है।

इस बात का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गुरुवार दुर्ग भोपाल अमरकंटक एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा कर रही एक महिला का चोर ने तो चलती ट्रेन से पर्स लेकर फरार हो गया। दरअसल उस पर्स में महिला के ज्वेलरी सहित मोबाइल व अन्य सामग्री थी, बतलाया जा रहा है कि लगभग 2 लाख रुपए के सामाग्री पर सेंधमारी की गई है। लेकिन रेलवे पुलिस ने मामले की गंभीरता पूर्वक लेते हुए ना केवल चोरी गया मसरूका जब्त किया बल्कि शहडोल के कल्याणपुर से चोर को ढूंढ निकाला। बताया जा रहा है इसके पीछे कोई लाल गाड़ी का लाल की कारगुजारी और कमाल है जो अभी भी राडार पर है।

अब उक्त घटनाक्रम के बाद यह भी समझना होगा कि रेलवे पुलिस ने मामला संज्ञान में लेते ही आरोपी को दबोचने में सफल रही वहीं ना जाने कितनी चोरी की वारदात, नकाबपोश हत्यारों की हत्या की कोशिश सीसीटीवी कैमरे में क़ैद है लेकिन आरोपी बदस्तूर अज्ञात। कप्तान की कप्तानी और बुलंद चोरों के हौसले के आगे फेल हुई मध्यप्रदेश की शहडोल पुलिस। जो कल्याणपुर में नकाबपोश बदमाश की लूट-पाट, पांडवनगर में आधा? दर्जन बड़ी बड़ी चोरी, हालही में कान्वेंट की सेवानिवृत्त शिक्षिका के घर चोरी की वारदात में प्रयुक्त नकाब और नकाबपोश बदमाशों को पुलिस पहचान नहीं पा रही या अनजान बनी रहना चाहतीं हैं।

प्रशासनिक प्रतिक्रिया....

किसी भी मामले में पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक का सीयूजी नंबर पर कॉल करने के बावजूद फोन रिसीव नहीं किया जाथा। इसके मायने सूबे के मुख्यमंत्री एवं पीएचक्यू हेडक्वार्टर के प्रमुख शीर्षस्थ अधिकारियों को तलाशने की भारी आवश्यकता है।

युवा प्रतिभाओं को निखारने को संकल्पित फ्रैंड्स क्लब बुढार....

लगातार दूसरी हार के साथ SECL सोहागपुर बाहर....

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ बुढार, जिले के ट्रांसपोर्ट बुढार नगर में? स्व. कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में खेली जा रही अखिल भारतीय फ्रेंड्स गोल्ड कप के अंतिम लीग मैच में फ्रेंड्स क्लब बुढार ने एसईसीएल सोहागपुर को पराजित करके प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है, आज के मैच के मुख्य अतिथि अभिषेक गुप्ता रहे । **फ्रेंड्स क्लब की एकतरफा जीत....** दरअसल लीग पद्धति से खेले जानी वाली इस प्रतियोगिता के पूल ए के अंतिम लीग मैच में फ्रेंड्स क्लब बुढार ने एसईसीएल सोहागपुर को 10 विकेट से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लेकर बुढार की धारदार गेंदबाजी के आगे एसईसीएल की टीम कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई और 14 ओवरों में 79 रन बनाकर ऑल आउट हो गई, एसईसीएल का कोई भी बल्लेबाज टिक कर नहीं खेल पाया, बुढार की ओर से गेंदबाज नितेश ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए जवाबी पारी खेलते हुए बुढार की टीम ने इस लक्ष्य का आसानी से पीछा कर लिया और इस मैच को दस विकेट से जीत लिया, बुढार की ओर से बल्लेबाज नितेश ने शानदार 48 रन बनाए । हम आपको बता दें कि आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट बुढार के खिलाड़ी नितेश को उनके आलराउंड प्रदर्शन के कारण मैन ऑफ द मैच का पुरुस्कार दिया गया। मैच में एम्पायर की भूमिका राजा ठाकुर और आनंद त्रिपाठी ने निभाई वहीं कमेंट्री मो. कलाम, अजय द्विवेदी और सुधीर शर्मा ने की स्कोरिंग का दायित्व मो. याह्या का रहा। हम आपको बता दें कि लगातार युवा प्रतिभाओं को निखारने का बीड़ा उठाने वाले लोगों की पूरे संभाग में सराहना की जा रही है लोगों के मुताबिक आज का युवा छोटी स्क्रीन मोबाइल के ग्लैमरस में अल सुबह से देर रात तक फ्री की मजदूरी में इतना निरंकुश हो रहा है मानों फिजिकल फिटनेस खेल? कूद और सेहत बनाए रखने अपनी कला का प्रदर्शन करने स्पोर्ट्स इत्यादि को भूलता जा रहा है। वहीं इस विपरीत परिस्थितियों में भी कोई युवा पीढ़ी की प्रतिभा को निखारने का बीड़ा उठाया है तो यह ठीक उसी तरह है जैसे कि आंधियों में चिराग जलाए रखना। उक्त आयोजन कि समिति के सदस्यों में से इन्होंने युवा प्रतिभाओं को निखारने का संकल्प लिया है जिनमें सर्वप्रथम कैलाश विश्नानी, अनिल सोनी, श्रीनिवास द्विवेदी, अवधेश पाण्डेय(पिंटू), पवन नियर्सेस, जुगुल मिश्रा, राजीव त्रिपाठी, योगेंद्र सिंह, चिंटू सिंह, सुशील उपाध्याय, आनंद बारी, विक्रम सिंह, अमृतांशु मिश्रा प्रमुख हैं ।

शहडोल में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर भाजपा कार्यालय शहडोल में पत्रकार वार्ता का आयोजन

मोबाइल 9090902024 नंबर पर दें मिस्ड कॉल, जनहित के सुझाव आमंत्रित....

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ शहडोल। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर भाजपा कार्यालय शहडोल में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन को लोकसभा संयोजक प्रकाश जागवानी ने अपने संबोधन में बतलाया कि 2024 लोकसभा चुनाव का चुनावी शंखनाद हो चुका है, जिसके मद्देनजर भाजपा का संकल्प पत्र जारी किया जाना है, जिसके लिए हम हर घर तक जाएंगे और सभी से भारत को विकसित समृद्ध और सशक्त भारत बनाने के लिए जन जन का सुझाव लेंगे, प्रत्येक बूथ में कार्यकर्ता आम जनता से अपने विचारों को मिस कॉल के माध्यम से अपने सुझाव प्रस्तुत कर सकते है, आप भी मोबाइल नंबर 9090902024 पर मिस्ड कॉल करके है आम जनता समृद्ध और सशक्त भारत बनाने में अहम

भूमिका अदा करें।

उक्त संबोधन में उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर पत्रक संग्रह के माध्यम से सुझाव पेटी में लोगों के सुझाव एकत्रित करेंगे । सुझाव संकलित कर सुझाव पेटी प्रदेश कार्यालय में संकल्प पत्र निर्माण समिति के पास भेजी जाएगी। लोकसभा संयोजक प्रकाश जगवानी ने बताया कि लोगों के सुझाव एकत्रित करने के लिए सुझाव पेटी लोकसभा चुनाव कार्यालय में रखी गई है। जहाँ पर लोग अपने सुझाव पत्रक के माध्यम से जमा कर सकते हैं साथ ही मोबाइल के माध्यम से मिस कॉल करके अथवा ऑनलाइन नमो ऐप में भी अपलोड कर सकते हैं।

इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री संतोष लोहानी ने कहा कि मोदी जी की सरकार में हर व्यक्ति को अपने विचार और देश के विकास में अपने सुझाव रखने का पूरा अधिकार है। मोदी की गारंटी ही गांव गरीब किसान के कल्याण विकास और उत्थान का मार्ग प्रशस्त करती है सआज मोदी जी के नेतृत्व में पूरा भारत संपूर्ण विश्व में सर्वाधिक तीव्र गति से विकास और बुलंदियों को अर्जित करने वाला देश बनते जा रहा है, आज देश का युवा किसान और व्यवसायी अपने आप को गौरवान्वित समझते हैं कि इस भारत में वे सम्मान से अपने कार्य को करते हुए अपने देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

वहीं इस आयोजन की संबोधन बेला में भाजपा जिला कोषाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने भी संकल्प तैयार करने हेतु भाजपा के अभियान के बारे में बताते हुए कहा कि 1 मार्च को प्रदेश भाजपा कार्यालय में ''विकसित भारत मोदी की गारंटी'' अभियान को प्रदेश में आधिकारिक लांच किया गया है। अब सभी जिलों में प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से विकसित भारत मोदी की गारंटी आकांक्षा संग्रहण अभियान को लांच किया जा रहा है, इसके साथ नमो एप के माध्यम से भी लोग भाजपा को संकल्प पत्र तैयार करने के लिए अपने सुझाव दे सकते हैं। भाजपा कार्यकर्ता 8 से 12 मार्च के बीच हर बूथ पर घर-घर जा कर लोगों से भाजपा के संकल्प पत्र के लिए उनके सुझाव एकत्रित करेंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेतागण पूरे प्रदेश में विभिन्न पेशागत व सामाजिक लोगों के साथ बैठक एवं संवाद कर समाज के हर वर्ग के सुझाव एकत्रित करेंगे। केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और वर्तमान में चल रहे मैं हूं मोदी का परिवार अभियान के बारे में भी जानकारी देंगे। हम आपको बता दें कि पत्रकार वार्ता को लोकसभा संयोजक प्रकाश जगवानी, जिला महामंत्री संतोष लोहानी, जिला कोषाध्यक्ष मनोज गुप्ता इत्यादि ने मंच से सम्बोधित किया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष शीतल पोद्दार, जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट, सह मीडिया प्रभारी सुनील मिश्रा, अरूण द्विवेदी उपस्थित रहे। पत्रकार वार्ता का संचालन भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट ने किया एवं आभार प्रदर्शन सुनील मिश्रा द्वारा किया गया।

जयशंकर ने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उड़ाई चीन की धज्जियां, समझौते तोड़ने का आरोप

टोक्यो: जापान दौरे पर गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक 'थिंक टैंक के कार्यक्रम 'रायसीना गोलमेज सम्मेलन में 2020 में सीमाओं पर हिंसा के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि उसने भारत के साथ लंबे समय से कायम लिखित समझौतों का पालन नहीं किया।जयशंकर ने यह भी कहा कि कैसे उन्हें दुनिया के बाकी हिस्सों के प्रति रूस की दिशा में बदलाव की उम्मीद है और वह संभवत: एशिया में कई विकल्प चाहता है। जापान की दो दिवसीय यात्रा पर आए जयशंकर ने बदलती विश्व व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा, ''हिंद-प्रशांत में एक बहुत बड़ा शक्ति परिवर्तन वास्तविकता है। जब क्षमताओं और प्रभाव तथा संभवत: महत्वाकांक्षाओं में बहुत बड़े बदलाव होते हैं, तो सभी महत्वाकांक्षाएं और रणनीतिक परिणाम भी जुड़े होते हैं। उन्होंने कहा, ''अब, यह कोई मुद्दा नहीं है कि आपको यह पसंद है या आपको यह पसंद नहीं है। वहां एक वास्तविकता है, आपको उस वास्तविकता से निपटना होगा। विदेश मंत्री ने कहा, ''आदर्श रूप से, हम मानते हैं कि हर कोई कहेगा, ठीक है, चीजें बदल रही हैं, लेकिन इसे जितना संभव हो उतना स्थिर रखना चाहिए। जयशंकर ने कहा, ''दुर्भाग्य से, हमने चीन के मामले में पिछले दशक में ऐसा नहीं देखा है। उदाहरण के लिए, 1975 से 2020 के बीच, 45 साल में सीमा पर कोई हिंसा नहीं हुई और 2020 में हालात बदल गए। जयशंकर ने एक सवाल पर कहा, ''हम कई चीजों पर असहमत हो सकते हैं, लेकिन जब कोई देश किसी पड़ोसी के साथ लिखित समझौतों का पालन नहीं करता है, तो मुझे लगता है... तब रिश्ते की स्थिरता पर सवालिया निशान खड़ा हो जाता है और ईमानदारी से कहूं तो इरादों पर सवाल उठता है। पैंगोंग झील क्षेत्र में हिंसक झड़प के बाद 5 मई, 2020 को पूर्वी लद्दाख सीमा पर गतिरोध पैदा हो गया। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई भीषण झड़प के बाद दोनों देशों के संबंधों में काफी गिरावट आई, जो दशकों में दोनों पक्षों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था। भारत कहता रहा है कि जब तक सीमावर्ती इलाकों में शांति नहीं होगी तब तक चीन के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं हो सकते। जयशंकर ने कहा, ''हम इसे यूरोप में संघर्ष में, एशिया में अंतरराष्ट्रीय कानून की अवहेलना में और मध्य पूर्व में घटनाक्रम में देखते हैं। उन्होंने 1993 के सीमा पर शांति समझौते और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य क्षेत्र में ''विश्वास बहाली उपायों से जुड़े 1996 के समझौते का जिक्र किया। विदेश मंत्री ने कहा, ''लंबे समय से कायम समझौतों का आवश्यक रूप से पालन नहीं किया जा रहा है, जिससे उस हालात की स्थिरता पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं जिसमें हम सभी काम करते हैं। अपने संबोधन के बाद एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''इसलिए भारत के लिए, बदलती दुनिया में, हमारा अपना संतुलन, दूसरे देशों के साथ हमारा अपना संतुलन भी बदल रहा है। उन्हें कटु होने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन संतुलन बदल रहा है। विदेश मंत्री ने दो मार्च को दिल्ली में एक 'थिंक टैंक के संवाद सत्र में संबोधन के दौरान इसी तरह का मुद्दा उठाया था। पूर्वी लद्दाख में लंबे समय से जारी सैन्य टकराव के बीच जयशंकर ने कहा, ''चीन को सीमा प्रबंधन समझौतों का पालन करना चाहिए और भारत-चीन संबंधों में सुधार के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति होनी चाहिए। मंत्री ने रूस और उसके बदलते दृष्टिकोण के बारे में भी टिप्पणी की। उन्होंने उल्लेख किया कि पिछले दो वर्षों के दौरान, यूक्रेन संघर्ष के कारण पश्चिमी देशों के साथ रूस के संबंध टूट गए हैं। उन्होंने कहा, ''तो आज आपके पास वास्तव में यह संभावना है कि रूस अधिक से अधिक एशिया की ओर रुख कर रहा है। वह अन्य महाद्वीपों की ओर भी रुख कर सकता है लेकिन मैं कहूंगा कि एशिया में उनके लिए सबसे बहुआयामी संभावना है।

पाकिस्तान में ऊंची कीमतों ने छीनी रमज़ान की खुशी

खाली बाजार बयां कर रहे लोगों की बेबसी

इस्लामाबाद: पाकिस्तान में ऊंची कीमतों ने रमज़ान की खुशी छीन ली है और खाली बाज़ार लोगों की बेबसी की दास्तां बयां कर रहे हैं। जैसे-जैसे रमजान का पवित्र महीना नजदीक आ रहा है, पाकिस्तान राहत पैकेज के रूप में अरबों डॉलर प्राप्त करने के बावजूद अभी भी अपने लोगों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने में सक्षम नहीं है। कम आमदनी, हर वस्तु की ऊंची कीमतें और खाली बाज़ार और सबसे बढ़कर, रमज़ान के पवित्र महीने का आगमन अब पाकिस्तान की अधिकांश आबादी के लिए एक बड़ी समस्या बन रहा है। कराची के एक ऑटो चालक मंजूर अहमद ने कहा कि रमज़ान से पहले महंगाई बहुत अधिक है, जिससे सरकार को लोगों को राहत प्रदान करने की आवश्यकता पर बल देना चाहिए। अब समय आ गया है कि सरकार रमजान से पहले लोगों को राहत देना शुरू करे। उन्होंने कहा कि कुछ बजट बाजार खोले जाने चाहिए ताकि जनता कुछ सस्ती चीजें खरीद सके। एक परिवार की सभी बुनियादी जरूरतें महंगी हैं। आटा, चीनी, तेल और यहां तक कि पेट्रोल और गैस जैसी हर चीज महंगी है, हर चीज का प्रबंधन करना मुश्किल हो रहा है। अपनी आय और खर्चों के बारे में बात करते हुए अहमद ने कहा कि वह मुश्किल से अपना खर्च चला पाते हैं। उन्होंने बताया कि मैं एक दिन में जो 300 या 400 पीकेआर कमाता हूं, उसमें से किराया देना बहुत मुश्किल हो जाता है और मुझे बिजली के लिए ऊंची कीमतें चुकानी पड़ती हैं, यहां तक कि बिजली की आपूर्ति अपर्याप्त होने पर भी मुझे बिजली के लिए ऊंची कीमतें चुकानी पड़ती हैं। उन्होंने कहा, अक्सर हमें दिन में 12 घंटे से ज्यादा बिजली नहीं मिलती है। कराची के एक अन्य नागरिक ने कहा कि रमज़ान के महीने में भी भ्रष्टाचार सभी समस्याओं का मुख्य कारण है।

कनाडा में छात्र ने परिवार के लोगों पर चाकू से किया हमला, 4 बच्चों समेत 6 की मौत

इंटरनेशनल डेस्क: कनाडा की राजधानी ओटावा में चाकूबाजी की घटना में छह लोग मारे गए। ओटावा पुलिस ने श्रीलंका के 19 वर्षीय छात्र को अपने साथ रहने वाले छह लोगों की चाकू मारकर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मृतकों में श्रीलंकाई परिवार के चार बच्चे भी शामिल हैं। ओटावा के पुलिस प्रमुख एरिक स्टब्स ने कहा कि आरोपी ने धारदार हथियार से लोगों पर हमला किया, जिसकी पहचान फेब्रियो डी-ज़ोयसा के रूप में की गई थी। उस पर फर्स्ट-डिग्री हत्या के छह मामले और हत्या के प्रयास का एक आरोप लगाया गया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मृतक श्रीलंकाई नागरिक हैं जो हाल ही में कनाडा आए थे। इनमें 35 साल की मां, सात साल का बेटा, चार साल की बेटी, दो साल की बेटी और ढाई महीने की बच्ची भी शामिल है। साथ ही 40 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हुई है, जो परिवार का परिचित था। पुलिस प्रमुख ने कहा कि घटना के बाद बच्चों का पिता घर से बाहर आकर लोगों से 911 पर कॉल करने के लिए चिल्ला रहा था। पति को भी गंभीर चोटें आई हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने कहा कि यह निर्दोष लोगों पर हिंसा का संवेदनहीन कृत्य है। ओटावा में श्रीलंकाई उच्चायोग ने कहा कि पीड़ित परिवार श्रीलंका का रहने वाला है। पिता बच गए, लेकिन उनकी पत्नी और बच्चों की मौत हो गई।

गंदी झुग्गी बस्ती में छिपा रखे थे 500 करोड़ टैक्स चोरी के सबूत, आई.टी. विभाग ने किया पर्दाफाश

नेशनल डेस्क: गुजरात के राजकोट सौराष्ट्र में बीते दिनों बिल्डर ग्रुप लदानी एसोसिएट्स पर इनकम टैक्स (आई.टी.) की रेड के बाद बड़ा खुलासा हुआ है। इस बिल्डर ग्रुप ने 500 करोड़ रुपये की कथित कर चोरी से संबंधित आपत्तिजनक डाटा एक भीड़ भाड़ वाली बस्ती की गंदी झुग्गी बस्ती छिपा रखा था। जिसे अब आई.टी. विभाग के अधिकारियों ने जब्त कर लिया है। पहले आई.टी. ने थी 30 परिसरों की रेड एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आई.टी. के अधिकारियों कर चोरी के बारे में विशेष जानकारी मिलने के बाद 27 फरवरी को पांच दिनों तक लदानियों और उनके करीबी रिश्तेदारों के 30 परिसरों की तलाशी ली थी। हालांकि उन्हें काले धन से जुड़े कागजात और अन्य डाटा नहीं मिल सका था। इसके बाद अधिकारियों ने पुलिस की मदद से 450 सी.सी.टी.वी. कैमरों को स्कैन किया। इस दौरान उन्होंने लदानी समूह के काले धन के महत्वपूर्ण डाटा और फाइलों के स्थान को पी.जी.वी.सी.एल. के पास के पीछे एक झुग्गी बस्ती तक ट्रैक किया। विभागीय जानकारी के मुताबिक कंपनी के अकाउंटेंट अंकित शिरा और उनके सहयोगी राज सिसोदिया लदानी एसोसिएट्स के काले धन के लेन देन को संभाल रहे थे। उन्होंने सबूतों को छुपाने के लिए गंदी बस्ती की एक झुग्गी को चुना था। ऐसे किया आरोपी बेनकाब आई.टी. के वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया है कि लदानी का विश्वासपात्र आदमी अक्सर पश्चिम गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (पी.जी.वी.सी.एल.)

कार्यालय के पीछे एक झुग्गी में जाता था और 5-10 मिनट के भीतर बाहर आ जाता था। झुग्गियों की ओर जाने वाली सड़क बहुत संकरी थी। जांच अधिकारियों ने उस जगह का दौरा किया लेकिन वह बहुत भीड़ भाड़ वाली थी और यह पता लगाना मुश्किल था कि वह कहां है जा रहा था। एक सी.सी.टी.वी. फुटेज में उसे एक छोटे से कमरे में जाते हुए देखा गया। कमरे की तलाशी लेने पर जांच टीम को वहां एक लैपटॉप और कई हस्तलिखित फाइलें मिलीं, जिसमें 500 करोड़ रुपये की कर चोरी का विवरण दिया गया था। 1.25 करोड़ रुपए की नकदी भी बरामद शिरा ने यह कमरा 4000 रुपये प्रति माह पर किराए पर लिया था। वह और सिसोदिया समूह में एकमात्र व्यक्ति थे जो इस स्थान के बारे में जानते थे। शिरा हर चार महीने में डाटा छिपाने के लिए गुप्त स्थान बदलता था और हमेशा एक दुर्गम स्लम एरिया को चुनता था। सी.सी.टी.वी. फुटेज में शिरा और उनकी पत्नी दो सूटकेस के साथ अपने अपार्टमेंट से निकलते और 75 मिनट बाद लौटते हुए देखे गए थे। अधिकारियों ने उनके मोबाइल फोन लोकेशन का पता लगाया और पाया कि वे अपने ससुर के घर गए थे। उनके ससुर ने बैग अपने भतीजे को दे दिए, जिसने उन्हें पड़ोसी के घर पर रख दिया। सभी लोगों को उनके फोन की लोकेशन से ट्रेस किया गया और बैग में 1.25 करोड़ रुपये मिले।

एक साथ शराब पी बाद में ओरल सेक्स करने का डाला दबाव

इनकार किया तो दिया ये खौफनाक अंजाम, पुलिस के भी उड़े होश

नेशनल डेस्क: राजस्थान के बारां जिले में एक सूखे पड़े तालाब में एक व्यक्ति का शव मिला। पुलिस को मिली सूचना के बाद शव कब्जे में लेकर जब जांच पड़ताल शुरू की। पुलिस का कहना है कि शख्स की हत्या उसके दो दोस्तों ने मिल कर की। जांच के मुताबिक, हत्या इसलिए की गई थी, क्योंकि मृतक ने ओरल सेक्स से इनकार कर दिया था। पुलिस को नौ दिन पहले 40 साल के ओम प्रकाश बैरवा नाम के व्यक्ति का शव मिला जिसकी उसके दो दोस्तों ने ही हत्या कर दी क्योंकि उसने दोस्तों संग ओरल सेक्स करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद उसके शव को सूखे तालाब में फेंक दिया था। पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ लिया है, जबकि दूसरे ने गिरफ्तारी के डर से जहरीला पदार्थ खा लिया था, इस वजह से वह अस्पताल में भर्ती है। बारां के पुलिस अधीक्षक राज कुमार चौधरी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ के दौरान मुरलीधर प्रजापति ने ओम प्रकाश बैरवा की हत्या की बात स्वीकार कर ली है. हत्या के दिन मुरलीधर प्रजापति, सरेंद्र यादव और ओम प्रकाश बैरवा ने एक साथ शराब पी। इसके बाद पास के गांव में पहुंचे थे. वहां से वापस लौटते समय मुरलीधर प्रजापति और सुरेंद्र यादव ने ओम प्रकाश बैरवा पर ओरल सेक्स करने का दबाव बनाया। जब ओम प्रकाश ने ओरल सेक्स करने से इनकार कर दिया तो उसकी पिटाई की और हत्या कर दी। इसके बाद शव को एक सूखे तालाब में फेंक दिया था।

बेहद खतरनाक लैंडिंग: जापान जाने एयरलाइंस के विमान का टायर हवा में हुआ अलग

इंटरनेशनल डेस्क: जापान जाने वाला यूनाइटेड एयरलाइंस में एक चौंकाने वाली घटना देखने को मिली। यूनाइटेड एयरलाइंस के एक जेटलाइनर विमान ने सैन फ्रांसिस्को से उड़ान भरते समय टायर खुलने के बाद गुरुवार को लॉस एंजिल्स में सुरक्षित लैंडिंग की। हालांकि इस घटना में विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित है। जानकारी के अनुसार, 235 यात्रियों और 14 चालक दल को ले जा रहे विमान के बाईं ओर के मुख्य लैंडिंग गियर असेंबली में छह टायरों में से एक टूट गया। उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद विमान का एक टायर टूटने का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया जा रहा है। इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ, हालांकि टायर सैन फ्रांसिस्को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक कर्मचारी पार्किंग स्थल में उतर गया, जहां यह एक कार से टकरा गया और बाड़ को तोड़ने और पड़ोसी स्थान पर रुकने से पहले उसकी पिछली खिड़की को तोड़ दिया। घटना के तुरंत बाद, बोइंग 777 ने एक अप्रत्याशित लैंडिंग की और रनवे के नीचे लगभग दो-तिहाई रास्ता रोक दिया। बाद में इसे हटा दिया गया।ठुएक बयान में, एयरलाइन ने कहा कि 2002 में निर्मित विमान को गायब या क्षतिग्रस्त टायरों के साथ सुरक्षित रूप से उतरने के लिए डिज़ाइन किया गया था। एसोसिएटेड प्रेस ने बताया कि यात्रियों को शेष यात्रा के लिए दूसरे विमान में ले जाया जाएगा।घटना की आगे संघीय उड्डयन प्रशासन द्वारा जांच की जाएगी।

इंडिगो की फ्लाइट में सीट से गायब हुई गद्दियां, हैरत में पड़ गई महिला यात्री

नेशनल डेस्क: देश में ऑपरेट हो रही एयरलाइंस की फ्लाइट में अनियमितताओं के किस्से बढ़ते ही जा रहे हैं। आए दिन यात्री अपनी शिकायतों के साथ सोशल मीडिया पर दिखते ही रहते हैं। इस एक और ऐसा ही मामला इंडिगो की फ्लाइट में सामने आया है, जहां एक महिला यात्री अपनी सीट से गद्दियों को गायब देख कर हैरत में पड़ गईं। एयरलाइन की सर्विस पर सवाल सोशल मीडिया पर विमान की बिना गद्दी वाली सीट की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। दरअसल यावनिका नाम की महिला ने बेंगलुरु से भोपाल जाने के लिए इंडिगो की फ्लाइट को चुना था। महिला ने बिना गद्दी की सीट की तस्वीरें खींचकर सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर दी। इसके बाद इंटरनेट पर एयरलाइन की सर्विस को लेकर बहस शुरू हो गई। कुछ लोग मौज लेने लगे, तो कुछ कहने लगे कि ये पैसा इतना लेते हैं और सर्विस देते नहीं! महिला की पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है और अब तक इसे दस लाख से ज्यादा यूजर देख चुके हैं। बता दें कि फ्लाइट सीट गायब होने का यह पहला मामला नहीं है, इससे पहले भी सोशल मीडिया पर इस तरह की शिकायतें तस्वीरों के साथ वायरल होती रही हैं। बीते साल इंडिगो एयरलाइन के पुणे-नागपुर फ्लाइट में भी सीट से गद्दियां गायब होने का मामला सामने आया था। सफाई के हटाई थी गद्दियां हालांकि इस मामले पर इंडिगो की ओर से तुरंत बयान जारी किया गया। इसमें बताया गया कि साफ-सफाई के लिए सीट से गद्दियां हटाई थीं। हमारे केबिन क्रू ने तुरंत उन ग्राहकों को सूचित किया जिन्हें ये सीटें आवंटित की गई थीं। यह पारगमन के दौरान पालन की जाने वाली मानक सफाई प्रक्रिया है।

अमरीका में होटल के कमरे में गहरी नींद में था शख्स, प्राइवेट पार्ट में बिच्छू ने मारा डंक, उपचार के बाद बची जान

नेशनल डेस्क: अमरीका के लास वेगास में एक शख्स ने एक होटल को संकट में डाल दिया है। दरअसल इस शख्स ने आरोप लगाया है कि होटल के कमरे में गहरी नींद में बिच्छू ने उसके अंडकोष (टेस्टिकल्स) को डंक मार दिया था, जिससे उसे असहनीय दर्द का सामना करना पड़ा। हालांकि क्लीनिक में उपचार के बाद उसकी जान बच गई। शख्स ने दावा किया है कि उसने अपने अंडरवियर में बिच्छू को लटकते हुए पाया था। बताया जा रहा है कि पीड़ित की शिकायत पर अब होटल को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। **ऐसा लगा प्राइवेट पार्ट में मार दिया चाकू** पीड़ित शख्स का नाम माइकल फार्ची है और वह कैलिफोर्निया का रहने वाला है। वह अपने परिवार के साथ द वेनेशियन रिजॉर्ट में ठहरे हुए थे। माइकल फार्ची ने मीडिया को दिए एक बयान में कहा है कि यह घटना 26 दिसंबर की है। उन्होंने कहा कि जब मैं नींद में था तो मुझे ऐसा लगा जैसे किसी ने मेरे प्राइवेट पार्ट में चाकू या कांच मार दिया हो। उन्होंने बताया कि जब मैं टॉयलेट गया तो मैंने देखा कि मेरे अंडरवियर पर एक बिच्छू लटका हुआ है। फार्ची और उनके परिवार ने होटल से चेक आउट किया और होटल ने उनके कमरे के लिए भुगतान किया। **कम से कम 3 या 4 बार काटा** एबीसी 7 न्यूज के अनुसार माइकल फार्ची ने आरोप लगाया है कि घटना के महीनों बाद भी उन्हें चिकित्सा समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और दावा किया है कि उन्हें जहरीले जीव ने कम से कम 3 या 4 बार काटा है। बिच्छू की विशिष्ट प्रजाति अभी भी अस्पष्ट है, हालांकि आदमी और उसके वकील द्वारा प्रदान की गई तस्वीरों से पता चला कि बिच्छू लगभग एक इंच लंबा था। मेयो क्लिनिक की रिपोर्ट है कि दुनिया भर में 2,000 से अधिक बिच्छू प्रजातियां हैं, जिनमें से लगभग 100 प्रजातियां जहर पैदा करने में सक्षम हैं जो घातक हो सकती हैं। हालांकि द वेनेशियन रिज़ॉर्ट से एक आधिकारिक बयान कहा गया है कि रिसॉर्ट में सभी घटनाओं के लिए प्रोटोकॉल हैं और हम पुष्टि कर सकते हैं कि इस घटना में उनका पालन किया गया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569